TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | खाद की कालाबाजारी और ओवररेटिंग पर प्रशासन का डंडा... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | रविवार | दिनांक- 29.11.2026

अखिलेश ने बताया पीडीए नया अर्थ- 'पढ़ाई, दवाई, आमदनी'

एजेंसी, लखनऊ।



सपा के सामाजिक समीकरणों के विस्तार की कोशिश में पीडीए के अलग-अलग अर्थ बता चुके पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने अब नई व्याख्या की है। अखिलेश ने पार्टीजन से अपने घोषणापत्र को जनता तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा है कि आज आम जनता के लिए हम 'पीडीए' की एक नई व्याख्या कर रहे हैं, 'पढ़ाई, दवाई, आमदनी'। साथ ही 'पीड़ित, दुखी, अपमानित' के रूप में पीडीए के अर्थ के बारे में बताना है और साइकिल चुनाव चिह्न का बटन दबाने के लिए याद दिलाना है।

सपा ने 26 नवंबर को अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया था। शनिवार को सपा प्रमुख ने एक्स पर लिखा कि हमारे सभी संभावित प्रत्याशियों, संगठन व विभिन्न वाहिनियों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, सदस्यों, समर्थकों और शुभचिंतकों का यही प्रयास होना चाहिए कि हम जनता तक अपना 'जन-मन का मैनिफेस्टो: 2027 अर्थात पीडीए का प्रणपत्र' पहुंचाएं। उसकी घोषणाओं के बारे में सरल तरीके से बताएं कि इससे उन्हें क्या लाभ मिलेगा। अब तक हमने दूसरों की सरकार बनाई है, इस बार 'अपनी पीडीए सरकार' बनाएँगे, हर संकट से मुक्ति पाएंगे।

'2024 का चुनाव फर्जी था, मोदी अवैध प्रधानमंत्री': सरकार पर फिर बरसे राहुल गांधी

एजेंसी, नई दिल्ली।



कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बेहद तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने 2024 के चुनाव को फर्जी बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी को फर्जी और अवैध प्रधानमंत्री कहा। वहीं, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भ्रष्ट कहा। राहुल ने भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाया और कहा कि देश के युवाओं और जेन-जी ने इस मुद्दे पर भाजपा को घेर लिया है। उनके मुताबिक, अब सरकार परिसीमन के जरिए चुनावी व्यवस्था में बदलाव का नया रास्ता तलाश रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी पिछला चुनाव हारे हैं। वह वाराणसी से हारे हैं और अब नए तरीके से जान बचाने के लिए प्लान लेकर आए हैं। जेन-जी को यह मालूम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी भारत की आत्मा पर हमला कर रहे हैं, हम संविधान की रक्षा के लिए अडिग हैं।

राहुल गांधी ने भाजपा पर तानाशाही का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि भाजपा ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और मतदान प्रक्रिया पर कब्जा कर लिया है। अब वह निर्वाचन क्षेत्रों के पूरे ढांचे को बदलना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद चुनावी क्षेत्रों की सीमाएं अपने हिसाब से तय करना है। राहुल ने दावा किया कि भाजपा के खिलाफ युवाओं ने वोट चोरी के मुद्दे पर आवाज उठाई है और उसके लिए पहले से मौजूद रास्ते बंद कर दिए हैं। इसलिए सरकार नई योजना के जरिए दूसरा रास्ता खोलने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा को देश को तानाशाही में बदलने नहीं देगी।

राहुल ने जाति जनगणना और 2027 की जनगणना पर क्या सवाल उठाए?

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जाति जनगणना को किनारे कर दिया गया है और 2027 की जनगणना को अप्रासंगिक बनाया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार 2011 की जनगणना के आंकड़ों का इस्तेमाल क्यों करना चाहती है। राहुल के मुताबिक, नई जनगणना से ऐसे तथ्य सामने आ सकते हैं, जो भाजपा के लिए असहज होंगे। उन्होंने दावा किया कि पुराने आंकड़ों के आधार पर 2051 तक व्यवस्था स्थिर रखने का मतलब अगले 40 साल तक सामाजिक न्याय को पीछे करना होगा।

एससी-एसटी और ओबीसी के अधिकारों पर क्या बोले राहुल?

राहुल ने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों की संख्या अगले 40 साल तक स्थिर रखी जाएगी, जबकि इस दौरान उनकी आबादी बढ़ सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों के अधिकार कमजोर होंगे। राहुल ने अल्पसंख्यकों को भी उनके अधिकारों से वंचित किए जाने का दावा किया। उनके मुताबिक, जाति जनगणना के नतीजे सामने नहीं आने देने के पीछे यही वजह है।

परिसीमन और महिला आरक्षण को लेकर राहुल की मांग क्या है?

राहुल गांधी ने कहा कि परिसीमन आयोग को सभी राजनीतिक दलों की सहमति से काम करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि महिला आरक्षण को 850 सीटों वाली लोकसभा के बजाय मौजूदा 543 सीटों पर ही लागू किया जाए। साथ ही, ओबीसी महिलाओं के लिए अलग उप-कोटा बनाने की मांग भी की। राहुल ने आरोप लगाया कि असली मुद्दा महिला आरक्षण नहीं, बल्कि भाजपा को भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद अपने हिसाब से दोबारा तैयार करने की छूट देना है। उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनावी व्यवस्था में बदलाव के जरिए सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है।

निलंबन खत्म कराने के लिए मैदान में उतरे अभिषेकः बिरला को लिखा पत्र

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी का निलंबन खत्म करने की मांग की है। उन्होंने यह मांग 30 नवंबर को लोकसभा की बैठक दोबारा शुरू होने से पहले की है। कल्याण बनर्जी को 22 जुलाई 2026 को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए लोकसभा से निलंबित किया गया था। अभिषेक बनर्जी ने अपने पत्र में लोकसभा के नियम 374(2) का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि सदन के पास किसी सदस्य का निलंबन खत्म करने का अधिकार है। इसके लिए सदन में प्रस्ताव लाया जा सकता है। 27 नवंबर को लिखे पत्र में अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि कल्याण बनर्जी का निलंबन अब भी जारी है। इसकी वजह यह है कि 13 अगस्त को मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था, लेकिन सत्र का औपचारिक सत्रावसान नहीं हुआ।

परिसीमन बिल पर डीएमके पार्टी का केंद्र को समर्थन

एजेंसी, नई दिल्ली।



डीएमके ने शनिवार को केंद्र के प्रस्तावित परिसीमन विधेयक का औपचारिक रूप से समर्थन किया। पार्टी प्रमुख एम.के. स्टालिन ने इस संशोधित प्रस्ताव को तमिलनाडु के लिए एक बड़ी जीत बताया है।

30 नवंबर को संसद के विशेष सत्र से पहले चेन्नई में स्टालिन की अध्यक्षता में डीएमके सांसदों की एक बैठक हुई, जिसमें यह फैसला लिया गया। पार्टी ने कहा है कि वह संशोधित विधेयक का समर्थन करेगी, लेकिन साथ ही लोकसभा सीटों में तमिलनाडु के हिस्से की रक्षा करने के अपने रुख पर भी कायम रहेगी। डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन ने संशोधित परिसीमन विधेयक का समर्थन करने को तमिलनाडु के 3 साल के संघर्ष की एक बड़ी जीत बताया है।

स्टालिन ने किस बात दिया जोर?

स्टालिन इस बात पर जोर दिया कि यह व्यावहारिक तरीका यह सुनिश्चित करेगा कि तमिलनाडु की लोकसभा सीटों की संख्या बढ़े, साथ ही संसदीय प्रतिनिधित्व का सटीक प्रतिशत भी बना रहे। इस तरह, अगले 25 वर्षों के लिए राज्य के राजनीतिक हितों की रक्षा हो सकेगी। एक्स पर इस प्रस्ताव को शेयर करते हुए डीएमके ने कहा, "संसद के विशेष सत्र से पहले डीएमके के संसदीय सदस्यों की बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया है: हम तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व की रक्षा करेंगे! हम तमिलनाडु के अधिकारों को बनाए रखेंगे!"

यह समर्थन तब आया है जब केंद्र सरकार ने परिसीमन प्रक्रिया के जरिए महिला आरक्षण लागू करने की अपनी कोशिशें फिर से तेज कर दी हैं। इसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों की संख्या में 50% की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। डीएमके ने परिसीमन प्रस्ताव के पिछले संस्करण का विरोध किया था। उसका तर्क था कि निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से निर्धारित करने के लिए हाल के जनसंख्या आंकड़ों का उपयोग करने से संसदीय प्रतिनिधित्व में तमिलनाडु का हिस्सा कम हो सकता है और इससे उत्तरी राज्यों को अनुचित लाभ मिल सकता है।

परिसीमन विधेयक 2026: राष्ट्रपति ने लोकसभा में विचार की सिफारिश की

लोकसभा में परिसीमन से जुड़े नए विधेयक को लेकर संसदीय प्रक्रिया आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने परिसीमन (दूसरा) विधेयक, 2026 पर सदन में विचार करने की सिफारिश की है। लोकसभा सचिवालय की ओर से शनिवार, 28 नवंबर को जारी बुलेटिन में इसकी जानकारी दी गई है। यह सिफारिश संविधान के अनुच्छेद 117(3) के तहत की गई है। इसके साथ ही परिसीमन की दिशा में दूसरा कदम बढ़ाया गया है। पहले शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट ने बिल को मंजूरी दी थी, अब राष्ट्रपति ने भी सिफारिश कर दी है।

अमित शाह से मिले डीएमके सांसद

परिसीमन विधेयक को लेकर डीएमके ने केंद्र सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है। इसके बाद पार्टी के कई सांसदों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। डीएमके सांसद कनिमोझी और ए. राजा भी शाह के आवास पहुंचे। मुलाकात के बाद कनिमोझी ने कहा कि पार्टी ने जिन शर्तों और मांगों को रखा था, सरकार ने उन्हें विधेयक में शामिल कर लिया है। इसी वजह से डीएमके ने समर्थन देने का निर्णय लिया।

तमिलनाडु की सीटों को लेकर क्या मांग मानी गई?

कनिमोझी के मुताबिक, डीएमके चाहती थी कि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने का आधार 1971 की जनगणना हो। सरकार ने इस मांग को स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही अगले 25 साल तक सीटों के बंटवारे पर रोक रखने की मांग भी मान ली गई है।

डीएमके के अन्य नेताओं ने क्या कहा?

पार्टी के अनुसार, संशोधित प्रस्ताव उसकी मुख्य चिंताओं को दूर करता है। इसमें सभी राज्यों में सीटों की संख्या में एक समान 50 प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान है, जबकि लोकसभा में तमिलनाडु की मौजूदा 7.18 प्रतिशत हिस्सेदारी को बरकरार रखा गया है। पार्टी ने कहा कि इस तरीके से अगले 25 वर्षों तक राज्य के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की रक्षा होगी और साथ ही महिलाओं के आरक्षण को भी लागू किया जा सकेगा।

सपा ने पेश किया गुमराह करने वाला घोषणा पत्र, इन्हीं ने खत्म की थी पुरानी पेंशनः राजभर

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र को समाज को गुमराह करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने घोषणा पत्र में कानून-व्यवस्था सुधारने का वचन देकर यह स्वीकार किया है कि उनके शासनकाल में प्रदेश में गुंडाराज था और दंगे व बलात्कार होते थे। शनिवार को गौतमपल्ली स्थित अपने सरकारी आवास पर दूसरे दलों से आए नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाने के बाद राजभर ने कहा कि अगले वर्ष होने वाले चुनाव में भी सपा खाली हाथ रहेगी। सरकार बनने की उम्मीद न होने के कारण ही सपा प्रमुख बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं। पुरानी पेंशन योजना का मुद्दा उठाते हुए राजभर ने कहा कि वर्ष 2005 में सपा के शासनकाल में ही प्रदेश में यह योजना समाप्त की गई थी। यदि पार्टी नेताओं को बाद में अपनी गलती का अहसास हुआ था, तो वर्ष 2012 में सत्ता में लौटने पर पुरानी पेंशन योजना को बहाल क्यों नहीं किया? उन्होंने सवाल किया कि अब सपा किस आधार पर पुरानी पेंशन योजना बहाल करने का वादा कर रही है।

आरक्षण व्यवस्था से बाहर करने का आया समय

अखिलेश यादव के राजनीतिक सफर पर टिप्पणी करते हुए राजभर ने कहा कि वह एक्सप्रेसवे से फोर लेन पर उतरे और अब सिंगल ट्रैक पर चल रहे हैं। मीडिया के सवालों पर उन्होंने कहा कि डीएम, एसपी और अन्य अधिकारियों के बच्चों को आरक्षण व्यवस्था से बाहर करने का समय आ गया है।

राशन वितरण को लेकर योगी सरकार सख्त, कोटेदारों को परेशान करने वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

एजेंसी, लखनऊ।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के साथ ही इससे जुड़े उचित दर विक्रेताओं (कोटेदारों) के हितों की रक्षा के लिए भी कदम उठा रही है। इसी क्रम में खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज कुमार पांडेय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कोटेदारों का किसी भी स्तर पर शोषण न हो। उनसे अवैध वसूली करने, अनुचित दबाव बनाने अथवा भ्रष्टाचार के जरिए परेशान करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि कोटेदारों के जायज अधिकारों और सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं होगा। विभाग की ओर से अधिकारियों को कोटेदारों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया है।

लाभांश वृद्धि से कोटेदारों को आर्थिक मजबूती

ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के तत्वावधान में लखनऊ के रविंद्रालय में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में कोटेदारों ने लाभांश वृद्धि के फैसले के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और खाद्य मंत्री मनोज कुमार पांडेय का आभार जताया। संगठन के प्रतिनिधियों ने कहा कि उचित दर विक्रेता लंबे समय से लाभांश बढ़ाने की मांग कर रहे थे। सरकार ने उनकी मांग पर सकारात्मक निर्णय लेकर उनके आर्थिक हितों के साथ मान-सम्मान को भी प्राथमिकता दी है।

लाभार्थियों तक राशन पहुंचाने में अहम भूमिका

मंत्री मनोज पांडेय ने कोटेदारों से भी अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लगभग 16 करोड़ लाभार्थियों तक खाद्यान्न पहुंचाने में उचित दर विक्रेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली गरीबों के अधिकारों से जुड़ी व्यवस्था है, इसलिए प्रत्येक पात्र लाभार्थी को निर्धारित मात्रा में गुणवत्तापूर्ण राशन उपलब्ध कराया जाए। राशन लेने आने वाले किसी भी व्यक्ति को अपमानित या परेशान नहीं किया जाना चाहिए। वितरण में पारदर्शिता और नियमितता अनिवार्य है।

गोरखपुरः सीएम योगी आज करेंगे गीडा स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ

लखनऊ। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के 37वें स्थापना दिवस का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार, 29 नवंबर को करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के समक्ष 17650 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश का एमओयू होगा। साथ ही सीएम के हाथों गीडा परिक्षेत्र और धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए 502 करोड़ रुपये की 104 विकास परियोजनाओं की सौगात भी मिलेगी।

औद्योगिक प्रदर्शनी सह व्यापार मेला का शुभारंभ भी करेंगे सीएमः 29 नवंबर से एक दिसंबर तक चलने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में मुख्यमंत्री औद्योगिक प्रदर्शनी सह व्यापार मेला का शुभारंभ भी करेंगे। इसमें गीडा में बन रहे उत्पादों के साथ ही ओडीओसी (एक जिला एक व्यंजन) के स्टाल खास आकर्षण होंगे। गीडा के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बायर्स-सेलर्स मीट का भी आयोजन होगा जिसमें अन्य शहरों-राज्यों के अलावा विदेश से भी प्रतिभागी सम्मिलित होंगे। गीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विशाल कुमार के अनुसार स्थापना दिवस समारोह को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

543 से 816 सीटें: परिसीमन के बाद कैसा होगा चुनावी नक्शा, सरकार ने दिखाई पहली झलक

एजेंसी, नई दिल्ली।

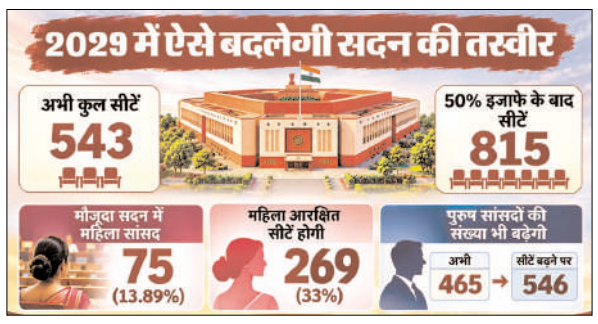

केंद्र सरकार ने देश के चुनावी नक्शे में होने वाले संभावित बदलावों की पहली झलक दिखाई है। परिसीमन के बाद लोकसभा में सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो सकती है। केंद्रीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को लोकसभा का नया प्रस्तावित नक्शा साझा किया। इसमें बताया गया है कि परिसीमन के बाद अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कितनी सीटें मिल सकती हैं। खास बात यह है कि सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में करीब 50 फीसदी की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। हालांकि, अभी यह केवल प्रस्ताव है। संसद में विधेयकों के पारित होने के बाद ही इस पर आगे की प्रक्रिया तय होगी।

परिसीमन के बाद लोकसभा में कितनी सीटें होंगी?

केंद्र सरकार के प्रस्ताव के मुताबिक, लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर 816 किया जाएगा। इसके लिए संविधान (132वां संशोधन) विधेयक और परिसीमन (दूसरा) विधेयक लाया जा रहा है। शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इन दोनों विधेयकों को मंजूरी दी थी। अब इन्हें संसद के विशेष सत्र में पेश किया जाना है।

सरकार ने लोकसभा का विशेष सत्र सोमवार से और राज्यसभा का सत्र बुधवार से बुलाया है। चार दिन का यह विशेष सत्र तीन दिसंबर को समाप्त होगा। इसी दौरान लोकसभा में दोनों विधेयक पेश किए जाने हैं।

राज्यों की सीटों में कितनी बढ़ोतरी होगी?

प्रस्ताव के मुताबिक, हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की लोकसभा सीटों में 50 फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी। यानी सीटें बढ़ाने का आधार सभी राज्यों के लिए एक जैसा रखा गया है। इस बढ़ोतरी के बाद राज्यों के बीच सीटों का नया बंटवारा होगा।

क्या परिसीमन का फैसला हो चुका है?

अभी दोनों विधेयकों को संसद में पेश किया जाना है। इन पर चर्चा और पारित होने की प्रक्रिया बाकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी संसद में पेश किए जाने से पहले परिसीमन (दूसरा) विधेयक, 2026 पर संविधान के अनुच्छेद 117(3) के तहत लोकसभा से विचार करने की सिफारिश की है। अनुच्छेद 117 वित्तीय विधेयकों से जुड़े विशेष प्रावधानों से संबंधित है। कुल मिलाकर, प्रस्ताव लागू होने पर लोकसभा का आकार 543 से बढ़कर 816 सदस्यों का हो सकता है। सरकार ने नए चुनावी नक्शे की झलक तो दिखा दी है, लेकिन इसका अंतिम स्वरूप संसद में विधेयकों के भविष्य पर निर्भर करेगा।

सरकार की ओर से साझा किए गए नक्शे में इसका उदाहरण भी दिखाई देता है। हालांकि, जिन राज्यों में अभी लोकसभा सीटों की संख्या विषम है, वहां आधी सीट के हिसाब से होने वाली बढ़ोतरी को पूर्ण संख्या में बदलने का सवाल भी सामने आया है।

विषम संख्या वाली सीटों का हिसाब कैसे होगा?

मौजूदा लोकसभा में कुछ राज्यों की सीटों की संख्या विषम है। ऐसे में 50 फीसदी बढ़ोतरी करने पर आधी सीट का आंकड़ा सामने आता है। विधेयकों में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि ऐसे मामलों में सीटों की संख्या को किस तरह पूर्णांक में बदला जाएगा। हालांकि, मेघवाल की ओर से साझा किए गए नक्शे से इस गणना का अंदाजा मिलता है।

तमिलनाडुः यहां लोकसभा की मौजूदा 39 सीटें हैं। 50 फीसदी बढ़ोतरी के बाद संख्या 58.5 होती है। नक्शे में इसे 59 सीटें दिखाया गया है।

आंध्र प्रदेशः मौजूदा 25 सीटों में बढ़ोतरी के बाद संख्या 37.5 होती है। प्रस्तावित नक्शे में इसे 38 सीटें किया गया है।

पंजाबः यहां मौजूदा 13 सीटों के हिसाब से नई संख्या 19.5 होती है। नक्शे में इसे 20 सीटें दिखाया गया है।

तेलंगानाः मौजूदा 17 सीटों के हिसाब से नई संख्या 25.5 होती है। नक्शे में इसे 26 सीटें किया गया है।

इस गणना से संकेत मिलता है कि सीटों की संख्या को पूर्णांक में बदलने के लिए ऊपर की संख्या को अपनाया गया है।

एक सीट वाले केंद्र शासित प्रदेशों का क्या होगा?

जिन केंद्र शासित प्रदेशों में अभी लोकसभा की केवल एक सीट है, वहां 50 फीसदी बढ़ोतरी के हिसाब से सीटों की संख्या डेढ़ हो जाएगी। इसे दो करने पर सीटों में 100 फीसदी की बढ़ोतरी हो जाएगी। ऐसे केंद्र शासित प्रदेशों की सीटें एक ही रखी गई थीं। हालांकि, विधेयक के प्रावधान में हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के लिए 50 फीसदी बढ़ोतरी की बात कही गई है। इसी आधार पर लोकसभा की कुल सदस्य संख्या 816 बताई गई है।

राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा का पलटवार, कहा- 'अगर 2024 का चुनाव फर्जी है तो इस्तीफा दें'

नई दिल्ली। परिसीमन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच सियासी टकराव तेज हो गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चुनावी प्रक्रिया और 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर दिए गए बयानों पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने पलटवार किया है। उन्होंने राहुल गांधी से सवाल किया कि अगर उनके मुताबिक 2024 का चुनाव फर्जी था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अवैध प्रधानमंत्री हैं, तो राहुल खुद उसी चुनाव में जीतकर लोकसभा में कैसे पहुंचे? प्रसाद ने कहा कि राहुल को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी के आरोपों पर कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल ने 14 करोड़ फर्जी मतदाताओं, फर्जी वोट और फर्जी प्रधानमंत्री की बात कही है। प्रसाद ने तंज कसते हुए पूछा कि राहुल गांधी को क्या हो गया है और क्या उन्होंने झूठ बोलने में पीएचडी कर ली है? उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राहुल के मतदाता सूची से जुड़े बयानों ने देश के कई बड़े संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों



को गुमराह किया है।

राहुल गांधी के चुनाव को फर्जी बताने पर क्या बोले प्रसाद?

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी ने 2024 के चुनाव को फर्जी बताया और प्रधानमंत्री मोदी को फर्जी प्रधानमंत्री कहा है। उन्होंने सवाल किया कि राहुल गांधी भी इसी चुनाव में जीतकर सांसद बने हैं। अगर वह चुनाव फर्जी था, तो उन्हें अपनी लोकसभा सदस्यता छोड़ देनी चाहिए। प्रसाद ने राहुल के बयान को हताश राजनीतिक नेता की टिप्पणी बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल की राजनीति में अराजकता दिखाई देती है और वह अराजकता में विश्वास करते हैं।

मतदाता पुनरीक्षण पर डीएम की पैनी नजर

विशेष अभियान दिवस पर बूथों का किया औचक निरीक्षण

- 87-छावनी और 89-आगरा उत्तर विधानसभा क्षेत्र के रेनबो कैंटोनमेंट स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर व ऑल सेंट स्कूल समेत कई केंद्रों पर पहुंचकर जांची प्रगति



टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत शनिवार को आयोजित विशेष अभियान दिवस पर जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने विभिन्न मतदेय स्थलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने 87-छावनी विधानसभा क्षेत्र के रेनबो कैंटोनमेंट पब्लिक स्कूल स्थित बूथ संख्या 230 से 234 व कैंटोनमेंट बोर्ड जूनियर हाईस्कूल स्थित बूथ संख्या 226 से 229 तथा 89-आगरा उत्तर विधानसभा क्षेत्र के कमलानगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर बूथ संख्या 415 से 421 और मऊ रोड, खंदारी स्थित ऑल सेंट स्कूल बूथ संख्या 223 से 227 सहित अन्य मतदान केंद्रों का जायजा लिया। उन्होंने बूथों पर बीएलओ की उपस्थिति, घर-घर सत्यापन, नए पंजीकरण तथा फॉर्म-06, 07 और 08 के डिजिटाइजेशन की प्रगति की गहन समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने मौके पर तैनात बीएलओ से संवाद करते हुए निर्देशित किया कि वे घर-घर जाकर पात्र नागरिकों का सत्यापन करें और विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नवयुवाओं, छूटे हुए मतदाताओं एवं नवविवाहितों को सूची में नाम जुड़वाने के लिए जागरूक व प्रेरित करें। उन्होंने बीएलओ से अब तक किए गए सत्यापन, प्राप्त हुए फॉर्म-06, 07 व 08 तथा उनके डिजिटाइजेशन का अद्यतन ब्यौरा तलब करते हुए सभी आवेदनों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने का आदेश दिया। इसके साथ ही बूथ पर आने वाले नागरिकों को हर संभव जानकारी व सहयोग उपलब्ध कराने को कहा।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी 29 नवंबर (रविवार) को भी विशेष अभियान के अंतर्गत सभी बीएलओ निर्धारित समय तक अपने-अपने बूथों पर उपस्थित रहकर और घर-घर संपर्क अभियान चलाकर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। इस निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (नगर)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी यमुनाधर चौहान, सिटी मजिस्ट्रेट अमित शुक्ला, एसीएम नीलम तिवारी और नायब तहसीलदार अनिल चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार में जैन विरासत के विकास को मिली गति

एत्मादपुर के त्रिमूर्ति जैन मंदिर को मिली नयी पहचान

- हर अल्पसंख्यक समुदाय की आस्था का सम्मान योगी सरकार की प्राथमिकता : जयवीर सिंह



टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश में धार्मिक और सांस्कृतिक विरासतों के संरक्षण के साथ जैन तीर्थस्थलों के विकास को भी गति दी जा रही है। इसी क्रम में आगरा के एत्मादपुर स्थित ऐतिहासिक श्री आदिनाथ भरत बाहुबली त्रिमूर्ति जैन मंदिर में 1.05 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्य पूरे कराए गए हैं। पर्यटन विभाग की ओर से कराए गए इन कार्यों में बहुउद्देशीय भवन का निर्माण, श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का विस्तार, सूचना पट्टों की स्थापना और मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण शामिल है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को कहा कि, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्रत्येक अल्पसंख्यक समुदाय की आस्था, परंपरा और धार्मिक विरासत को समान आदर और सम्मान दे रही है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले एक समुदाय विशेष की भावनाओं को प्राथमिकता दी गई, जबकि जैन समाज सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की धार्मिक विरासत अपेक्षित उपेक्षा का शिकार रही। वर्तमान सरकार सभी समुदायों को समान महत्व देकर उनके धार्मिक स्थलों का विकास करा रही है।

मंदिर में निर्मित बहुउद्देशीय भवन से धार्मिक, सामाजिक और सामुदायिक आयोजनों के लिए स्थान उपलब्ध होगा। वहीं, श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए परिसर में आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की गई हैं। सूचना पट्टों के माध्यम से मंदिर के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। परिसर में हरियाली और सौंदर्यीकरण के कार्य भी कराए गए हैं।

12 पर्यटन परिपथों में शामिल है जैन परिपथ

दरअसल, उत्तर प्रदेश की जैन विरासत को पर्यटन से जोड़ने के लिए जैन सर्किट विकसित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2022 के तहत चिह्नित 12 पर्यटन सर्किट में जैन सर्किट भी शामिल है। इसके अंतर्गत देवगढ़, हस्तिनापुर, वहेलना, कम्पिल और वाराणसी, फिरोजाबाद व हाथरस के जैन धार्मिक स्थलों को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य प्रदेश में जैन धर्म से जुड़े ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को बेहतर पर्यटन सुविधाओं से जोड़ना है।

एत्मादपुर स्थित यह मंदिर भगवान ऋषभदेव यानी आदिनाथ और उनके पुत्रों भरत एवं बाहुबली से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं के कारण जैन समाज में विशेष महत्व रखता है। मंदिर का विकास न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को भी मजबूती देगा।

जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार जैन मंदिरों को आध्यात्मिक पर्यटन के मानचित्र पर प्रमुखता से स्थापित करने और यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन कर आय दोगुनी करेंगे किसान

विकास भवन में 50 मत्स्य पालकों को मिला एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- गंदे पानी के उपचार हेतु डेले वाले चूने के घोल और मछलियों को रोगों से बचाने के लिए पोटेशियम परमैंगनेट (लाल दवा) के प्रयोग की दी गई सलाह



उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत शनिवार को संजय प्लेस स्थित विकास भवन सभागार में आगरा मंडल के 50 मत्स्य पालकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं कॉन्फ्रेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उप निदेशक मत्स्य (आगरा/अलीगढ़ मंडल), सहायक निदेशक मत्स्य (आगरा), सहायक निदेशक मत्स्य (मैनपुरी) तथा सेवानिवृत्त सहायक निदेशक मत्स्य किशन शर्मा ने उपस्थित मत्स्य कृषकों को विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराते हुए वैज्ञानिक तकनीक के माध्यम से मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने तालाब निर्माण और तैयारी के तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि तालाब के तले में गोबर व हरी खाद की जुताई कराकर कम से कम पांच फुट पानी रखना चाहिए, जिससे गर्मी और सर्दी में मछलियों के लिए अनुकूल तापमान बना रहे। तालाब के बंधों की ऊंचाई तल से पांच फुट और चौड़ाई दो मीटर रखने की सलाह दी गई, ताकि वर्षा जल का पर्याप्त संरक्षण हो सके और बंधों पर गेंदा व पपीता जैसे पौधे उगाकर मछलियों के लिए प्राकृतिक भोजन की व्यवस्था की जा सके। इसके अतिरिक्त, जिन तालाबों में केवल तीन से छह माह तक ही पानी रहता है, वहां होली से पूर्व मछलियों की निकासी कर जलीय खरपतवार साफ करने तथा सस्ती दर पर फ्राई मत्स्य बीज लेकर उन्हें फिंगरलिंग साइज तक तैयार कर बाजार की मांग के अनुरूप पालन करने का परामर्श दिया गया, जिससे किसानों की आमदनी में सीधा इजाफा हो सके।

मत्स्य कृषकों की तालाब में गंदे पानी की प्रमुख समस्या के समाधान हेतु अधिकारियों ने निर्धारित मात्रा में डेले वाले चूने का घोल तालाब के चारों ओर डालने की सलाह दी, जिससे जल मछली पालन के योग्य बना रहे।

साथ ही, तालाब में मत्स्य बीज संचित करने से पूर्व उन पर लाल दवा (पोटेशियम परमैंगनेट) का छिड़काव करने का सुझाव दिया गया ताकि मछलियां पूरी तरह रोग रहित रहें। कार्यक्रम के समापन पर उप निदेशक मत्स्य, सहायक निदेशक मत्स्य आगरा एवं अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने सभी प्रशिक्षणार्थियों का आभार व्यक्त किया।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अंतिम विशेष मौका कल

सभी बूथों पर सुबह 10 से शाम 4 बजे तक बैठेंगे बीएलओ

टीएनएफ टुडे, आगरा।



अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन 17 नवंबर 2026 को जनपद के सभी मतदान केंद्रों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों और जिला निर्वाचन कार्यालय में किया जा चुका है। अपर जिलाधिकारी (नगर) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी यमुनाधर चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार जो पात्र नागरिक 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं या कर चुके हैं, वे 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 के बीच मतदान केंद्रों पर नियुक्त बीएलओ के पास निर्धारित फॉर्म-6 और फॉर्म-8 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करा सकते हैं।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष अभियान की अंतिम तिथि 29 नवंबर 2026 (रविवार) निर्धारित की गई है, जिस दिन जनपद के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के समस्त मतदेय स्थलों पर बीएलओ प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक उपस्थित रहकर नए पंजीकरण तथा दावा व आपत्तियों से जुड़े आवेदन प्राप्त करेंगे। ग्राम सभाओं और वार्ड कमेटियों की बैठकों में भी इस अभियान को लेकर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिन पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, वे निकटतम बूथ से निःशुल्क फॉर्म-6 प्राप्त कर उसके साथ एक रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो, मोबाइल नंबर, आयु प्रमाण पत्र, निवास का पता तथा परिवार के किसी एक सदस्य के ईपीआईसी (मतदाता फोटो पहचान पत्र) की छायाप्रति संलग्न कर जमा करें। वहीं, स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित या मृत मतदाताओं का नाम विलोपित कराने के लिए फॉर्म-7 तथा किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए साक्ष्य सहित फॉर्म-8 भरकर संबंधित मतदेय स्थल के बीएलओ अथवा तहसील स्थित मतदाता पंजीकरण केंद्र पर जमा किया जा सकता है।

क्या वोटों के बहुमत पर भारी पड़ सकता है परिसीमन का गणित?

सीटों के बंटवारे से बदल सकती है चुनावी तस्वीर

टीएनएफ टुडे, आगरा।



- 100 मतदाताओं और 5 सीटों के उदाहरण से समझें कैसे एक क्षेत्र में समर्थन केंद्रित होने पर 60% वोट पाकर भी सिमट सकती है बढ़त

लोकतांत्रिक व्यवस्था में केवल मतदान और मतगणना ही निर्णायक नहीं होती, बल्कि निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण यानी परिसीमन भी चुनावी परिणामों की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाता है। यदि किसी जिले में कुल 100 मतदाता और पांच विधानसभा क्षेत्र हों तथा समग्र रूप से 60 प्रतिशत मत विपक्ष और 40 प्रतिशत मत सत्ताधारी दल के पक्ष में जाएं, तब भी सीमाओं के विभाजन के तरीके से सीटों का गणित बदल सकता है। यदि एक वर्ग विशेष के समर्थकों को एक ही क्षेत्र में समेट दिया जाए और शेष क्षेत्रों में उनका मत प्रतिशत कम रखा जाए, तो अधिक मत प्रतिशत के बावजूद कम सीटों पर संतोष करना पड़ सकता है, जबकि कम कुल मत प्रतिशत वाला पक्ष अधिक सीटों पर बढ़त बना सकता है।

इस तरह के चुनावी समीकरणों को लेकर अक्सर यह विमर्श सामने आता है कि परिसीमन की प्रक्रिया का मूल उद्देश्य नागरिकों को समान व प्रभावी प्रतिनिधित्व देना होना चाहिए, न कि किसी दल विशेष के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार करना। जब प्रत्येक नागरिक के मत का मूल्य समान माना जाता है, तो भौगोलिक व जनसंख्यात्मक सीमाओं का निर्धारण भी स्पष्ट मानकों, जनगणना के आंकड़ों और पारदर्शी प्रक्रिया के अनुरूप होना अपेक्षित रहता है, ताकि किसी क्षेत्र के मतदाताओं की आवाज कमजोर न पड़े।

विश्लेषकों और जागरूक नागरिकों के बीच यह विषय किसी एक राजनीतिक दल के लाभ या हानि से आगे बढ़कर जनादेश की विश्वसनीयता और संस्थागत निष्पक्षता से जुड़ा माना जाता है। यह धारणा व्यापक रूप से व्यक्त की जाती है कि परिसीमन प्रक्रिया जितनी पारदर्शी, संतुलित और न्यायसंगत होगी, प्रतिनिधित्व की प्रणाली उतनी ही सुदृढ़ होगी और लोकतांत्रिक मूल्यों पर जनता का विश्वास और गहरा होगा।

खेत में मिला था किसान का शव, दम घुटने से मौत की पुष्टि



सैंया। थाना सैंया क्षेत्र के लादूखेड़ा कस्बे में दो दिन पूर्व लापता हुए किसान का शव शुक्रवार शाम उसके ही खेत में पड़ा मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आगरा भेज दिया था। शनिवार को पुलिस की मौजूदगी में गमगीन माहौल के बीच मृतक किसान का अंतिम संस्कार किया गया।

थाना सैयां के लादूखेड़ा चौकी क्षेत्र के लादूखेड़ा कस्बा निवासी पुनीत त्यागी (42) वर्ष बुधवार रात को अपने खेतों की रखवाली करने गए थे। गुरुवार सुबह करीब पांच बजे तक घर नहीं लौटने पर परिवारीजनों को उनके लापता होने की जानकारी हुई। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गुरुवार को गुमशुदगी दर्ज कर किसान की तलाश शुरू कर दी थी।

शुक्रवार शाम करीब पांच बजे परिजनों को पुनीत त्यागी का शव उनके ही खेत में पड़ा मिला। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए आगरा भेज दिया। शनिवार दोपहर करीब तीन बजे पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव गांव पहुंचा।इसके बाद सैकड़ों ग्रामीणों और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान विधायक भगवान सिंह कुशवाहा,भाजपा नेता दिगंबर सिंह धाकरे,और सपा प्रदेश सचिव पिंकी त्यागी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया और पुलिस अधिकारियों से घटना का जल्द खुलासा करने की मांग की। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र कुमार द्विवेदी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृत्यु दम घुटने से होना दशार्या गया है।

ऑल इंडिया आर्म रेसलिंग चैम्पियनशिप में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा का शानदार प्रदर्शन



आगरा। महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने जीते कुल 15 पदक, विश्वविद्यालय का बढ़ाया गौरव। मेरठ शुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ में 17 से 19 नवंबर 2026 तक आयोजित ऑल इंडिया महिला एवं पुरुष आर्म रेसलिंग चैम्पियनशिप में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 15 पदक अर्जित किए। इस उपलब्धि में महिला खिलाड़ियों ने 8 तथा पुरुष खिलाड़ियों ने 7 पदक जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. आशु रानी जी ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पुरुष वर्ग के पदक विजेता देव अग्रवाल (75 किग्रा) झ स्वर्ण पदक, लवकुश (50 किग्रा) झ रजत पदक, हर्ष जुरेल (50 किग्रा), तेजवीर सिंह (60 किग्रा) एवं शुभम कुमार यादव (70 किग्रा) झ कांस्य पदक तथा गौतम कपूर (100 किग्रा) झ दो कांस्य पदक। महिला वर्ग की पदक विजेता काजल (45 किग्रा), आस्था (50 किग्रा), रचना (55 किग्रा), अर्चना (55 किग्रा), नीतू (70 किग्रा) एवं नंदिनी बौहरा (90 किग्रा से अधिक) झ कांस्य पदक तथा श्रेया (60 किग्रा) झ एक रजत एवं एक कांस्य पदक। विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. अखिलेश चन्द्र सक्सैना ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं संबंधित महाविद्यालयों के शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को बधाई देते हुए खिलाड़ियों के कठिन परिश्रम, लगन, अनुशासन एवं उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों की सामूहिक भागीदारी, समन्वय और खेल भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

प्रतियोगिता में महिला टीम की कोच डॉ. रूपा ने महिला टीम के साथ रहकर खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं प्रतियोगिता संबंधी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। वहीं, पुरुष टीम के साथ कोच डॉ. अनिल कुमार एवं टीम मैनेजर डॉ. शफी मोहम्मद ने खिलाड़ियों के मार्गदर्शन एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाली।

सूर-पीठ की राष्ट्रीय कार्यशाला के प्रथम दिन सूर साहित्य के नवीन शोध आयामों पर हुआ व्यापक विमर्श



आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के.एम. हिन्दी एवं भाषाविज्ञान संस्थान स्थित सूर-पीठ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला ह्यसूर साहित्य: शोध-दृष्टि एवं नवाचारह्ण का शुभारंभ साहित्यिक एवं अकादमिक गरिमा के साथ हुआ। कार्यशाला के प्रथम दिन देश के प्रतिष्ठित विद्वानों ने सूर साहित्य के विविध पक्षों, उसके नवीन शोध आयामों तथा ब्रज की सांस्कृतिक विरासत पर अपने विचार व्यक्त किए।

प्रथम दिन के अकादमिक सत्र में प्रो. रामसनेही लाल शर्मा ह्ययायावरह्ण, डॉ. ब्रजराज सिंह (दयालबाग शिक्षण संस्थान) तथा डॉ. केशव शर्मा (के.एम.आई.) ने व्याख्यान प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने सूर साहित्य को केवल भक्ति और काव्य-सौंदर्य के पारंपरिक दृष्टिकोण से देखने के स्थान पर समकालीन शोध-पद्धतियों और अंतर्विषयी दृष्टि से समझने की आवश्यकता पर बल दिया।

व्याख्यानों के दौरान इस बात पर विशेष चर्चा हुई कि सूर साहित्य पर शोध के नए विषय और संभावनाएँ क्या हो सकती हैं तथा लगभग 450 वर्ष पूर्व ब्रज का लोकजीवन, सामाजिक संरचना, रहन-सहन, खान-पान, लोकाचार और सांस्कृतिक परिवेश किस प्रकार का रहा होगा। सूरदास के पदों में तत्कालीन ब्रज समाज की जो जीवन-छवियाँ मिलती हैं, उनके आधार पर उस समय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक इतिहास को किस प्रकार पुनर्निर्मित किया जा सकता है, इस पर भी महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ।

वक्ताओं ने ब्रज संस्कृति के ऐतिहासिक स्वरूप और वर्तमान परिवर्तनों की तुलनात्मक पड़ताल की संभावनाओं को रेखांकित किया। बदलते सामाजिक परिवेश, लोक परंपराओं, सांस्कृतिक व्यवहारों, भाषा, लोकगीतों तथा धार्मिक-सांस्कृतिक मान्यताओं में आए परिवर्तनों को सूर साहित्य के संदर्भ में समझने पर बल दिया गया। यह भी चर्चा हुई कि सूरदास के काव्य में अभिव्यक्त लोकजीवन आज के ब्रज की सांस्कृतिक पहचान को समझने में किस प्रकार सहायक हो सकता है।

कार्यशाला में सूर साहित्य के अध्ययन के लिए लोक-संस्कृति, समाजभाषाविज्ञान, इतिहास, नृविज्ञान, प्रदर्शनकारी कलाओं तथा डिजिटल ह्यूमैनिटीज जैसी अंतर्विषयी शोध-दृष्टियों को अपनाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई।

सड़क हादसों पर लगाम की पहल



फतेहाबाद। शनिवार को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सड़क सुरक्षा पखवाड़ा को लेकर नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। सड़क सुरक्षा में यातायात प्रबंधक यूपीडा लखनऊ के आदेश पर शनिवार को टोल प्लाजा 21 पर प्रातः 10:00 बजे एक्सप्रेसवे पर निकलने वाले वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण किया गया जिसमें उन्हें आंखों के रखरखाव तथा आने वाली समस्याओं को लेकर जागरूक किया कि कैसे वह साफ पानी से आंखें धुले चश्मे का प्रयोग करें वहीं वाहन चालकों की दृष्टि क्षमता सुनिश्चित करना सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा दृष्टि संबंधी समस्याओं के होने वाले संभावित सड़क दुर्घटनाओं को रोकने को लेकर इसका आयोजन कर जागरूक किया गया। शिविर में डॉक्टर प्रदर्शनी केलकर वरिष्ठ नेत्र सर्जन, डॉ सुनील गौतम वरिष्ठ नेत्र परीक्षण अधिकारी ,शशिकांत नेत्र परीक्षण अधिकारी सहित आरएन सिंह मुख्य सुरक्षा अधिकारी प्रथम , प्रमोद धनगर टोल मैनेजर, सोवरन सिंह सहायक सुरक्षा अधिकारी सहित अन्य कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित थे।

गंभीर रोगों के इलाज में मिलेगी सरकारी मदद

आगरा। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को विशिष्ट चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री राज्य आरोग्य निधि योजना के अंतर्गत गरीब परिवारों के रोगियों को उपचार हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के लिए वे नागरिक पात्र होंगे जो गरीबी रेखा की निर्धारित आय सीमा के अंतर्गत आते हैं, जिसमें प्रति व्यक्ति ग्रामीण क्षेत्र में 768 रुपये एवं शहरी क्षेत्र में 941 रुपये मासिक आय के आधार पर पांच सदस्यों वाले परिवार हेतु ग्रामीण क्षेत्र में 46,080 रुपये तथा शहरी क्षेत्र में 56,460 रुपये वार्षिक आय की सीमा तय की गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि इस निर्धारित आय वर्ग में आने वाले गंभीर रोगों से पीड़ित व्यक्ति अपने विशिष्ट उपचार हेतु आर्थिक सहायता पाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक पात्र नागरिक अपना आवेदन पत्र समस्त चिकित्सीय प्रपत्रों, पहचान पत्र, आय प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक अभिलेखों के साथ किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय, आगरा में जमा करा सकते हैं। प्राप्त आवेदनों का जिलाधिकारी द्वारा गठित समिति के माध्यम से नियमानुसार परीक्षण किया जाएगा, जिसके उपरांत शासन और महानिदेशालय स्तर से बजट की उपलब्धता होने पर पात्र लाभार्थियों को उनके इलाज के लिए यथासंभव आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं के लिए सुनहरा मौका

आगरा। तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर चुके युवाओं को औद्योगिक प्रशिक्षण और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), आगरा परिसर में एक विशेष शिशिक्षु (अप्रेंटिसशिप) कैंपस का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 30 नवंबर 2026 को प्रातः 10 बजे से यह कैंपस प्रारंभ होगा। इस चयन प्रक्रिया में ऐसे सभी पुरुष प्रशिक्षार्थी प्रतिभाग कर सकते हैं, जिन्होंने किसी भी राजकीय अथवा निजी आईटीआई संस्थान से तकनीकी व्यवसाय—जैसे मैकेनिक डीजल इंजन, ट्रैक्टर मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, फिटर, टर्नर और मशीनिस्ट आदि ट्रेड में परीक्षा उत्तीर्ण की है। नोडल प्रधानाचार्य ने बताया कि इस शिशिक्षु कैंपस में प्रशिक्षार्थियों के चयन के लिए आगरा की दो प्रमुख औद्योगिक इकाइयों—बेनारा उद्योग (ईल्लं१ वटिङ्गॅ) और सनी टोयोटा प्राइवेट लिमिटेड (र४ल्लल्ल८ ळङ्ग८ङ्ग३ ढ५३. छ३ि.) को आमंत्रित किया गया है। कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। प्रशासन और संस्थान की ओर से पात्र आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर अपने समस्त मूल शैक्षिक व तकनीकी प्रमाणपत्रों के साथ राजकीय आईटीआई परिसर पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

स्वच्छता और सेहत के संगम से चमकी छात्राओं की प्रतिभा

आगरा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार तथा जिलाधिकारी मनीष बंसल एवं मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार के मार्गदर्शन में शनिवार को जिला विज्ञान क्लब आगरा के तत्वाधान में जनपद स्तरीय स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन पर वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज नैनानाजाट में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विद्यालय निरीक्षक रविंद्र पाल सिंह तोमर, जिला विद्यालय निरीक्षक बालिका विश्व प्रताप सिंह व प्रधानाचार्या वर्षा जैन के निर्देशन में अतिथियों राजीव (क्षेत्रीय लेखपाल), गीतम सिंह (डायरेक्टर, होटल मैनेजमेंट कॉलेज), प्रभाकर गिरी (प्रधानाचार्य, राजकीय हाईस्कूल गंगरौआ), राजेंद्र (ग्राम प्रधान नैनानाजाट), जितेंद्र सिंह रावत (एसएमसी अध्यक्ष) और जिला विज्ञान क्लब समन्वयक डॉ. निखिल जैन ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। छात्राओं की सरस्वती वंदना और स्वागत गीत के बाद अतिथियों का पुष्पगुच्छ व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान रंगोली, पोस्टर, स्लोगन और मॉडल निर्माण प्रतियोगिताओं में विद्यालय की 350 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छता, जल संरक्षण, वायु प्रदूषण नियंत्रण, प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण, वृक्षारोपण, कचरा प्रबंधन तथा स्वस्थ जीवनशैली पर अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक समझ का प्रदर्शन किया।

2100 से ज्यादा ट्रैफिक चालानों का लोक अदालत में निस्तारण

आगरा। दीवानी न्यायालय परिसर में शनिवार को आयोजित विशेष लोक अदालत में 2100 से अधिक मोटर वाहन चालानों का जुमार्ना अधिरोपित कर निस्तारण किया गया। लंबित यातायात चालानों के मामलों में आम लोगों को राहत देने और त्वरित न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से यह आयोजन किया गया। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के निदेर्शानुसार आयोजित लोक अदालत में प्रभारी जनपद न्यायाधीश शिव कुमार, अपर जिला जज एवं नोडल अधिकारी अमरजीत, अपर जिला जज दिनेश कुमार चौरसिया, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शारिब अली तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव पंकज कुमार-कसहित न्यायिक मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे। लोक अदालत में मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित लंबित चालानों को चिह्नित कर उनका निस्तारण किया गया।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

नॉर्थ जोन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में आगरा विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों का दमखम

- लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर में आयोजित प्रतियोगिता में शुन्नी ने 105+ किग्रा भार वर्ग में जीता गोल्ड और मोहन श्याम ने 75 किग्रा वर्ग में हासिल किया सिल्वर
- विश्वविद्यालय के पांच खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए किया क्वालीफाई, कुलपति प्रोफेसर आशु रानी ने दी बधाई



टीएनएफ टुडे, आगरा।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू), जालंधर में आयोजित नॉर्थ जोन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की वेटलिफ्टिंग टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया है। प्रतियोगिता के 105+ किलोग्राम भार वर्ग में विश्वविद्यालय के खिलाड़ी शुन्नी ने शानदार ताकत और तकनीक का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता, जबकि 75 किलोग्राम भार वर्ग में मोहन श्याम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए रजत पदक हासिल कर विश्वविद्यालय का परचम लहराया।

पदक जीतने के साथ ही डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुल पांच खिलाड़ियों ने आगामी ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। प्रतियोगिता में टीम मैनेजर डॉ. गिरीश कुमार के नेतृत्व में खिलाड़ियों ने अनुशासन और खेल भावना का परिचय देते हुए यह गौरवपूर्ण सफलता अर्जित की।

विश्वविद्यालय की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर कुलपति प्रोफेसर आशु रानी ने सभी विजेता व क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों के साथ-साथ बेहतर टीम तैयार करने के लिए टीम चयनकताओं को भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वहीं, विश्वविद्यालय के खेलकूद विभाग के निदेशक डॉ. अखिलेश चंद्र सक्सेना ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ ने केमिस्ट एसोसिएशन के साथ किया व्यापारी संवाद

सरकार के समक्ष रखीं समस्याएं व सुझाव

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में शनिवार को सूरी मार्केट में आगरा महानगर केमिस्ट एसोसिएशन (पंजीकृत) के पदाधिकारियों के साथ व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संवाद कार्यक्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक अजय कुमार गर्ग (आवागढ़) एवं जिलाध्यक्ष गौरव बंसल के प्रतिनिधित्व में संपन्न हुआ।

बैठक के दौरान केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष, महामंत्री एवं अन्य पदाधिकारियों ने दवा व्यापारियों को पेश आ रही व्यावहारिक समस्याओं के साथ-साथ व्यापारिक हितों से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव सरकार के प्रतिनिधियों के समक्ष विस्तार से रखे। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने व्यापारियों की बातों को गंभीरता से सुना और उनके उचित समाधान के लिए शासन स्तर तक बात पहुंचाने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक गिरधारी लाल भाग्त्यानी, संरक्षक कपूरचंद जिंदल व वेद प्रकाश अग्रवाल, चंद्र पाहुजा, उपाध्यक्ष अमित गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, सचिव राजीव तनेजा, संगठन मंत्री रोहताश सिंह, मीडिया प्रभारी गिरीश अग्रवाल, कार्यकारी सदस्य पवन शर्मा, कन्हैया और हरिओम अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी व व्यापारी उपस्थित रहे।

राजा महेंद्र प्रताप सिंह की 140वीं जयंती पर जुटेगा जनसैलाब

1 दिसंबर को होगा भव्य स्मृति समारोह!

- आगरा में जाट महासभा और जाट एकता समिति का संयुक्त आयोजन
- पूर्व विधायक डॉ. अनिल चौधरी होंगे मुख्य अतिथि
- राजा साहब के त्याग, बलिदान और शिक्षा के योगदान को करेंगे याद



एत्मादपुर । अखिल भारतीय जाट महासभा, आगरा एवं जाट एकता समिति आगरा के संयुक्त तत्वावधान में महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक एवं शिक्षा के पुरोधा राजा महेंद्र प्रताप सिंह की 140वीं जन्म जयंती पर भव्य स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम आगामी 1 दिसंबर 2026 (मंगलवार) को दोपहर 1 बजे से ट्रांस यमुना कॉलोनी, फेस-2 स्थित डॉ. महेश चौधरी के आवास (ई-ब्लॉक, अंबे हॉस्पिटल के पास) पर होगा।

शनिवार को आगरा में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान महासभा के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा और राजा साहब के जीवन परिचय पर विस्तार से प्रकाश डाला। पदाधिकारियों ने बताया कि 1 दिसंबर 1886 को मुरसान रियासत में जन्मे राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने राजपाट का सुख त्याग कर देश की आजादी और गरीबों की शिक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया था। वे एक महान क्रांतिकारी, पत्रकार, लेखक और समाज सुधारक थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहेंगे पूर्व विधायक सादाबाद डॉ.अनिल चौधरी यह जानकारी डॉक्टर महेश चौधरी ने दी है। कार्यक्रम में हजारों लोगों के एकजुट होने की संभावना। इस दौरान डॉ.महेश चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा जाट एकता समिति, ओमप्रकाश सिकरवार राष्ट्रीय अध्यक्ष जाट एकता समिति, कप्तान सिंह चाहर जिला अध्यक्ष अखिल जाट महासभा, रामप्रकाश आर्य संरक्षक जाट एकता समिति,निर्मला चाहर जिला अध्यक्ष जाट महासभा महिला प्रकोष्ठ मौजूद रहे।

खाद की कालाबाजारी और ओवररेटिंग पर प्रशासन का डंडा

डीएम के निर्देश पर कृषि विभाग ने की छापेमारी, पांच केंद्रों से लिए गए नमूने

टीएनएफ टुडे, आगरा।

रबी फसलों की बुआई के उपरांत किसानों को सुचारू रूप से और उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सख्त है। जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देश पर शनिवार को जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार के नेतृत्व में कृषि एवं सहकारिता विभाग की टीमों ने जनपद के विभिन्न उर्वरक बिक्री केंद्रों पर ताबड़तोड़ छापेमारी और औचक निरीक्षण किया। जिला कृषि अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद में यूरिया उर्वरक की कोई कमी नहीं है और वर्तमान में सहकारी क्षेत्र में 8,807 मीट्रिक टन तथा निजी क्षेत्र में 30,013 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है, जिसे किसान अपनी जोत और खतौनी के अनुसार निर्धारित मात्रा में प्राप्त कर सकते हैं।

निरीक्षण अभियान के दौरान जिला कृषि अधिकारी ने मेसर्स सिकरवार खाद बीज भंडार (उनतरा), आईएफएफडीसी कृषक सेवा केंद्र (रायभा), इन्दौलिया कृषक सेवा केंद्र (किरावली), चौधरी खाद बीज भंडार (किरावली), साधन सहकारी समिति (भिड़कुर), शिवम कॉप नोवल कृषक फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (भिड़कुर), चहर खाद बीज भंडार (दूरा रोड), बालाजी कृषि सेवा केंद्र (फतेहपुर सीकरी) तथा गिर्राज जी खाद बीज भंडार (कुकथला) की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सभी विक्रेताओं को कड़ी चेतावनी देते हुए निर्देशित किया कि यूरिया का विक्रय केवल शासन द्वारा निर्धारित दर 266.50 रुपये प्रति बैग पर ही किया जाए और इसके साथ किसी भी अन्य उत्पाद की अनावश्यक टैगिंग या जबरन बिक्री कतई न की जाए।



इसके अतिरिक्त विक्रेताओं को स्टॉक व रेट बोर्ड पर प्रतिदिन अद्यतन जानकारी अंकित करने, किसानों को अनिवार्य रूप से कैश मेमो देने तथा बिक्री रजिस्टर में किसान का मोबाइल नंबर, फार्मर रजिस्ट्री और पहचान विवरण दर्ज करने के निर्देश दिए गए। गुणवत्ता नियंत्रण अभियान के तहत चहर खाद बीज भंडार (दूरा रोड), चौधरी खाद बीज भंडार (किरावली), बालाजी कृषि सेवा केंद्र (फतेहपुर सीकरी), गिर्राज जी खाद बीज भंडार (कुकथला) और मां गंगा कृषि सेवा केंद्र (किरावली) से उर्वरक के नमूने भी संग्रहित कर जांच के लिए भेजे गए हैं। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि नियमों की अनदेखी करने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कठोरतम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक हुई सम्पन्न

टीएनएफ टुडे, आगरा।

स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में ह्यडायरिया से डर नहींह्व कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक हुई क पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) एवं केनव्यू के सहयोग से आयोजित बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव और डिप्टी सीएमओ आरसीएच डॉ. सुरेंद्र मोहन प्रजापति द्वारा की गई क

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है।

इस मौके पर डिप्टी सीएमओ आरसीएच ने कहा कि डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम के अन्तर्गत आशा कार्यकताओं, आशा संगिनी, आंगनबाड़ी कार्यकताओं को पीएसआई इंडिया के सहयोग से प्रशिक्षित किया गया है कइसके साथ ही डायरिया रोको अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) के दौरान ई रिक्शा के माध्यम से डायरिया से बचाव और प्रबन्धन के बारे में प्रचार-प्रसार किया जायेगा । उन्होंने बताया कि जिले के विभिन्न स्थानों पर दीवार लेखन कराया गया है कप्रचार-प्रसार के तहत ही रैली ,स्कूल गतिविधियों में पोस्टर प्रतियोगिता , प्रचार प्रसार वाहन के माध्यम से बच्चों में डायरिया से बचाव के सन्देश पहुंचाए गए हैं कइस मौके पर डॉ. सुरेंद्र मोहन प्रजापति ने कहा कि जिंक-ओआरएस के साथ डायरिया से डर नहीं एनयूएचएम के नोडल अधिकारी डॉ. ऋषि गोपाल ने कहा कि डायरिया की पहचान समय पर होना और आवश्यक उपचार मुहैया कराना अत्यंत आवश्यक है कमुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशा, एएनएम व एमओआईसी सहित कर्मचारियों को डायरिया चैंपियन का सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।



समीक्षा बैठक में पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधि पंकज कुमार ने अब तक की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी क हेल्थ मैनेजमेंट इन्फार्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) की रिपोर्ट की भी समीक्षा की गयी क जिला कार्यक्रम प्रबन्धक (डीपीएम) कुलदीप कुमार ने रिपोर्टिंग में सुधार के बारे में चर्चा की क डीसीपीएम डॉ.विजय सिंह ने बेहतर कार्य करने हेतु प्रेरित किया कशहरी स्वास्थ्य समनन्वयक आकाश ने डायरिया कार्यक्रम के तहत की जाने वाली गतिविधियों की वजह से होने वाले सुधार के बारे मे चर्चा की साथ ही यूपीएचसी पर बनाए गए ओआरएस एवं जिंक कार्नर को लेकर चर्चा की कार्यक्रम में एमओआईसी एवं पीएसआई से आरती,सोनल उपस्थित रहे।

- शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करने और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देने के चलेगा अभियान
- सीएमओ ने डायरिया चैंपियन को सर्टिफिकेट देकर किया सम्मानित

10 साल के मासूम को मौत की धमकी देकर दरिंदगी

फतेहाबाद। थाना फतेहाबाद क्षेत्र के एक गांव में जान से मारने की धमकी देकर 10 वर्षीय नाबालिग के साथ अप्राकृतिक यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की मां की तहरीर पर पुलिस ने दो नाबालिग आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, कक्षा पांच में पढ़ने वाला 10 वर्षीय छात्र अपने साथियों के साथ बकरियां चराने जाता था। आरोप है कि इस दौरान दोनों नाबालिग साथी उसे जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ कई बार अप्राकृतिक यौन शोषण करते थे। आरोपित उसे धमकाते थे कि उसके पिता अहमदाबाद में मजदूरी करते हैं और मां भी गांव में मजदूरी करने जाती है। वह घर पर अकेला रहता है। यदि उसने किसी को इसकी जानकारी दी तो उसे जान से मार देंगे।

इस धमकी के चलते छात्र काफी समय तक डर के कारण चुप रहा। कुछ दिनों बाद उसे शौच जाने में परेशानी होने लगी। इस पर मां ने उससे परेशानी का कारण पूछा तो उसने डरते हुए पूरी घटना बताई। इसके बाद पीड़ित की मां ने दोनों नाबालिगों के खिलाफ थाना फतेहाबाद में तहरीर दी।

खेल के मैदान में चमके श्यामो के सितारे

बास्केटबॉल में उपविजेता और फुटबॉल में तीसरा स्थान पाकर बढ़ाया विद्यालय का मान

- आर.डी. पब्लिक स्कूल में आयोजित अंतरविद्यालयीय प्रतियोगिता में गर्ल्स अंडर-14 बास्केटबॉल टीम बनी उपविजेता, बॉयज अंडर-14 फुटबॉल टीम ने झटका तीसरा स्थान

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आर.डी. पब्लिक स्कूल में आयोजित अंतरविद्यालयीय खेल प्रतियोगिता में भूपेंद्र कन्या इंटर कॉलेज, श्यामो के खिलाड़ियों ने दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक ही प्रतियोगिता में दो बड़ी उपलब्धियां अपने नाम कीं। प्रतियोगिता के बास्केटबॉल गर्ल्स अंडर-14 वर्ग में विद्यालय की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए दूसरा स्थान हासिल किया और उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। वहीं, फुटबॉल बॉयज अंडर-14 वर्ग में भी टीम ने बेहतरीन तालमेल और जुझारूपन का परिचय देते हुए तीसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।



उपविजेता रही बास्केटबॉल टीम में अनन्या, दीक्षा, शबनम, महक, छवि, मुस्कान, अन्नू, सुनेना, उमा और वर्षा शामिल रहीं, जबकि तीसरा स्थान हासिल करने वाली फुटबॉल टीम में दुष्यंत, रोहित शर्मा, राम, मौसम, नितिन, मनीष, विशाल, लकी, अनंत और कन्हैया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के दौरान निरंतर मार्गदर्शन व सहयोग प्रदान करने में शिवम सर का विशेष योगदान रहा।

खिलाड़ियों की इस दोहरी सफलता पर विद्यालय के प्रधानाचार्य जोगेंद्र सिंह, मैनेजिंग टीम हेड अंकित कुमार लोधी और एमडी अमित कुमार लोधी ने सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन व पूरे स्टाफ ने खिलाड़ियों की प्रतिभा और लगन की सराहना करते हुए इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया।

ऐसी विदाई कि भावुक हुआ पूरा थाना

कार को धक्का देकर साथियों ने दी इंस्पेक्टर को अंतिम सलामी!

- गौतमबुद्ध नगर तबादले पर विनोद कुमार मिश्रा को भावभीनी विदाई
- फूल-मालाओं से हुआ सम्मान, यादों के साथ नम हुईं आंखें
- इंस्पेक्टर ने दी नसीहत- जनता का भरोसा जीतना ही पुलिस की असली ताकत

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।



थाना फतेहाबाद में तैनात प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा का गौतमबुद्ध नगर तबादला होने पर शनिवार को थाने में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर भावभीनी विदाई दी। विदाई के दौरान माहौल भावुक हो गया। साथी पुलिसकर्मियों ने उनकी कार को धक्का देकर आगे रवाना किया। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने पुलिसकर्मियों को आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और उनका निष्पक्षता के साथ समाधान कराने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि पुलिस का व्यवहार आमजन के प्रति सहयोगात्मक होना चाहिए, जिससे लोगों का पुलिस पर विश्वास बना रहे। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कस्बा फतेहाबाद के लोगों से मिले सहयोग और स्नेह की सराहना करते हुए कहा कि यहां के लोगों का अपनापन और सहयोग हमेशा याद रहेगा। वहीं, साथी पुलिसकर्मियों ने उनके साथ बिताए पलों को साझा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान डॉ. हरिओम शर्मा, क्राइम इंस्पेक्टर अमर पाल सिंह तोमर, वरिष्ठ उपनिरीक्षक सत्यभान सिंह, सागर, प्रियांशु, शुभम, सुमित नागर, रामभेज, देवेंद्र सिंह, आकाश सहित बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

दो हजार सत्ताईस के घोषणापत्र में लुभावने वादों की बौछार और अतीत के अधूरे संकल्पों की परछाई

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी ने अपना घोषणापत्र जारी करके सियासी विमर्श में वादों और दावों की नई बहस छेड़ दी है। पीडीए के प्रणपत्र और जनमन के मेनिफेस्टो के नाम से सामने आए इस दस्तावेज में नौकरियों, भत्तों, कर्जमाफी और सामाजिक न्याय से जुड़े बड़े संकल्पों की झड़ी लगाई गई है। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों और आम नागरिकों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि चुनाव के समय कागजों पर लिखे जाने वाले ये चमकदार वादे आखिर सत्ता में आने के बाद जमीन पर कितने उतरते हैं। जब प्रदेश में पहले समाजवादी पार्टी की सरकार रही थी तब भी जनता के सामने अनेक बड़े वादे और योजनाएं रखी गई थीं लेकिन कई महत्वपूर्ण संकल्प अधूरे रह जाने की टीस आज भी लोगों के मन में मौजूद है। विरोधी दलों और सत्तापक्ष के नेताओं ने भी इस घोषणापत्र को जुमलेबाजी और जनता को गुमराह करने का प्रयास करार देते हुए अतीत के कामकाज और कानून व्यवस्था के रिकॉर्ड पर तीखे सवाल खड़े किए हैं। चुनावी घोषणापत्र लोकतंत्र में किसी भी दल के विजन और प्राथमिकताओं का दर्पण होते हैं लेकिन केवल भारी भरकम आंकड़ों और आकर्षक नारों से मतदाताओं का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रह सकता। प्रदेश की जनता अब केवल सुनहरे सपनों की सूची नहीं बल्कि ठोस वित्तीय रोडमैप, पारदर्शी अमल और जवाबदेही की स्पष्ट तस्वीर देखना चाहती है। आगामी चुनावों में मतदाता इसी कसौटी पर हर वादे को तौलेंगे कि कौन सा दल केवल चुनावी जुमलों के सहारे सत्ता की सीढ़ी चढ़ना चाहता है और किसके पास वादों को हकीकत में बदलने की विश्वसनीय साख है।

हाथी सदन में, राजनीति जंगल में!

बृज खंडेलवाल

जंगल हाथियों का था, लेकिन कब्जा इंसानों ने किया। अब हाथी गांवों में आ रहे हैं, फसलें रौंद रहे हैं और जानें ले रहे हैं। सरकार उन्हें दूसरे जंगल में भेजना चाहती है। लेकिन इस फैसले ने ऐसा सियासी तूफान खड़ा किया कि हाथियों से ज्यादा नेता चिंतित नजर आने लगे!

कर्नाटक में ऑपरेशन गज अब वन्यजीव संरक्षण से ज्यादा राजनीतिक विवाद बन गया है। किसान सड़कों पर हैं, विधायक इस्तीफे की पेशकश कर रहे हैं और मंत्री एक-दूसरे के फैसलों पर सवाल उठा रहे हैं। जंगल की समस्या विधानसभा तक पहुंच गई है।

नवंबर में हासन जिले के बेलूर और पड़ोसी चिक्कमगलूरु जिले के मुदिगेरे में इंसान और हाथियों के बीच संघर्ष तेज हो गया। हाथियों ने फसलें रौंदी, मकानों को नुकसान पहुंचाया और लोगों की जान ली। अगस्त से अब तक चार लोगों की मौत की खबरें सामने आईं। नवंबर में बेलूर की दो मौतों ने सरकार पर कार्रवाई के लिए दबाव बढ़ा दिया।

"हजारों वर्ग किलोमीटर का वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरीज का क्षेत्र जो कर्नाटक, केरलम, और तमिल नाडु में पड़ता है, हजारों की संख्या में हाथियों का इलाका है, कभी वीरप्पन इस एरिया में एक्टिव था," पर्यावरण कार्यकर्ता वीर एल ने बताया।

लेकिन हाथी गांवों में पहुंचे क्यों?

कर्नाटक में करीब 6,000 से 6,400 जंगली हाथी हैं। इनमें बड़ी संख्या पश्चिमी घाट के जंगलों में रहती है। कॉफी बागानों का विस्तार, जंगलों का बंटवारा, हाथियों के पुराने रास्तों पर कब्जे और पानी के स्रोतों का सूखना उनके प्राकृतिक आवास को सिकोड़ चुके हैं। बेलूर के आसपास जंगलों के छोटे-छोटे टुकड़े बड़े झुंडों के लिए पर्याप्त नहीं हैं। स्थानीय अनुमानों के अनुसार, कॉफी बागानों में करीब 50 से 86 हाथी घूम रहे थे। दिन में वे बागानों में छिपते हैं और रात को खेतों में भोजन तलाशते हैं।

इंसान फसल उगाता है, हाथी उसे भोजन समझते हैं। टकराव होता है और कभी इसकी कीमत इंसानी जान से चुकानी पड़ती है।

इसी संकट से निपटने के लिए सरकार ने ऑपरेशन गज शुरू किया। दो नर हाथियों को 18 और 19 नवंबर को पकड़ा गया। एक को नागरहोल के मथिगोडु हाथी शिविर भेजा गया। दूसरे के गले में रेडियो कॉलर

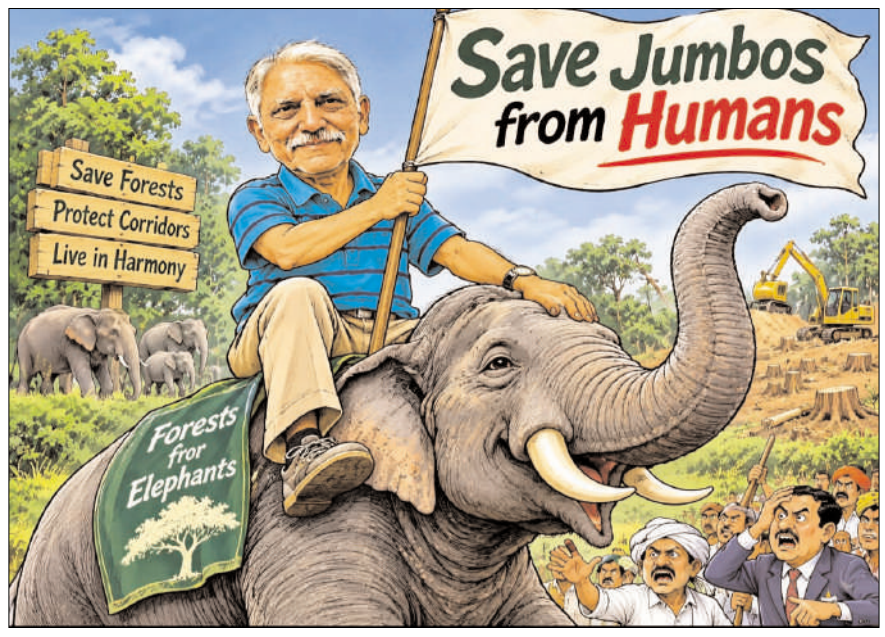

लगाकर बांदीपुर में छोड़ा गया।

इसके बाद करीब 56 हाथियों को बेलूर से मुदिगेरे और तत्कोला के जंगलों के रास्ते भद्रा वन्यजीव अभयारण्य की ओर भेजने की योजना बनी। अभियान में प्रशिक्षित कुमकी हाथियों की मदद ली गई।

अधिकारियों का तर्क था कि भद्रा का करीब 950 से 1,000 वर्ग किलोमीटर का जंगल नए हाथियों को जगह दे सकता है। वहां पहले से लगभग 500 हाथी मौजूद हैं।

सुनने में योजना आसान थी। जैसे परेशान किरायेदारों को दूसरे मोहल्ले में भेज दिया जाए! लेकिन हाथी सरकारी कर्मचारी नहीं हैं। वे तबादले का आदेश लेकर नए जंगल में हाजिरी लगाने नहीं पहुंचते। उनका अपना इलाका, परिवार और पीढ़ियों से चले आ रहे रास्ते होते हैं।

चिक्कमगलूरु के लोगों ने योजना का विरोध किया। उनका सवाल था कि हासन की समस्या का बोझ उनके गांवों और कॉफी बागानों पर क्यों डाला जा रहा है? वे पहले ही हाथियों और जंगली गौर के हमलों से परेशान थे।

विरोध बढ़ा तो मुदिगेरे की कांग्रेस विधायक नयना ने विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय में इस्तीफा सौंप दिया। उनका आरोप था कि निर्वाचित प्रतिनिधियों से सलाह किए बिना फैसला लिया गया। श्रींगेरी के टी.डी. राजेगौड़ा और चिक्कमगलूरु के एच.डी. थम्मैया ने भी इस्तीफे जैसे कदम की चेतावनी दी।

दूसरी तरफ, हासन के नेताओं ने अभियान रोकने पर सवाल उठाए। बेलूर के भाजपा विधायक एच.के. सुरेश और जिले के प्रभारी मंत्री के.एम. शिवलिंगे गौड़ा की चिंता थी कि खतरनाक हाथियों से परेशान लोगों को अब राहत कैसे मिलेगी?

यानी हाथी अपनी राह तलाश रहे थे और नेता अपनी राजनीतिक जमीन बचाने में लगे थे।

करीब 24 नवंबर को ऑपरेशन गज स्थगित कर दिया गया। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि दोनों जिलों की चिंताओं पर विचार जरूरी है। इस बीच झुंड बिखर गया। करीब 21 से 23 हाथी बेलूर लौट गए और लगभग 18 मुदिगेरे में रह गए। कुछ हाथी कोडागु सहित दूसरे इलाकों की ओर चले गए।

चिक्कमगलूरु के पास घूम रहे एक नर हाथी को पकड़ने के लिए छह कुमकी हाथियों की मदद से अलग अभियान भी चलाना पड़ा। साफ था कि समस्या किसी एक सरकारी आदेश से खत्म होने वाली नहीं थी।

लेकिन इस विवाद में एक महत्वपूर्ण सवाल पीछे छूट गया। क्या हाथियों को एक जंगल से दूसरे जंगल भेजना ही समाधान है? प्रकृति कोई सरकारी आवास योजना नहीं है कि खाली जगह देखकर किसी को भी बसा दिया जाए।

जंगलों में लैंटाना जैसी आक्रामक वनस्पतियां प्राकृतिक घास और बांस को नुकसान पहुंचा रही हैं। कॉफी बागानों के विस्तार ने भोजन की विविधता घटाई है। पानी के स्रोत सूख रहे हैं और इंसानी कब्जे ने हाथियों के पारंपरिक रास्ते बंद कर दिए हैं।

इस बहस में वीरप्पन के दौर को आदर्श बताने का भ्रम भी दूर करना चाहिए। वीरप्पन हाथियों का रक्षक नहीं, उनका शिकारी था। हाथीदांत के लिए उसने और उसके गिरोह ने बड़ी संख्या में हाथियों का शिकार किया। विश्वसनीय अनुमानों में उसके गिरोह को करीब 500 हाथियों की मौत के लिए जिम्मेदार माना जाता है। लोकप्रिय दावा कि उसने 2,000 हाथी मारे, प्रमाणित नहीं है।

कर्नाटक में हाथियों की आबादी पिछले डेढ़ दशक में मोटे तौर पर स्थिर रही है। 2017 की गणना में करीब 6,049 हाथी दर्ज किए गए थे। हाथीदांत के व्यापार पर प्रतिबंध और प्रोजेक्ट एलिफेंट जैसे संरक्षण प्रयासों ने उनकी सुरक्षा में योगदान दिया है। असली चुनौती उनके प्राकृतिक आवास को बचाने की है।

नवंबर में सात हाथियों की मौत की खबरें भी सामने आईं। इनमें कई हाथियों की मौत खेतों के आसपास लगाए गए अवैध बिजली के तारों से करंट लगने के कारण हुई। यह बेहद चिंताजनक है। इंसानी जान की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन वन्यजीवों को भी हमारी लापरवाही की कीमत नहीं चुकानी चाहिए। हाथी हासन, बेलूर या मुदिगेरे की राजनीतिक सीमाएं नहीं पहचानते। उनका नक्शा चुनावी नहीं, प्राकृतिक होता है।

शायद इंसानों को हाथियों से कुछ सीखना चाहिए। वे अपने रास्ते याद रखते हैं, परिवार की रक्षा करते हैं और प्रकृति के नियमों के अनुसार जीते हैं। इंसान जंगल काटता है, रास्ते रोकता है और फिर अनचाहे मेहमानों की शिकायत करता है।

इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा हाथी जंगल में नहीं, हमारी सोच में बैठा है। हम उनका घर उजाड़ते हैं और फिर उन्हें घुसपैठिया कहते हैं।

आखिर जब इंसान हाथी का घर हथिया ले, तो असली घुसपैठिया कौन हुआ–हाथी या इंसान?

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

माता कुंती ने वनवास के एकांत में विदुर के समक्ष एक गुप्त पीड़ा की थी साझा

महाभारत के आश्रमवासिक पर्व और वन पर्व के अत्यंत दुर्लभ तथा गोपनीय अध्यायों में एकांत क्षण के दौरान माता कुंती और महात्मा विदुर के बीच हुए एक मार्मिक संवाद से जुड़ी यह पावन कथा मातृत्व के निश्छल त्याग और नीति की उस गुप्त गहराई को उजागर करती है जिसे बहुत कम लोग जानते हैं।

जब राजमहल के कोलाहल से दूर एकांत में माता कुंती अपने भीतर दबी हुई उन पुरानी स्मृतियों और पीड़ाओं का भार हल्का कर रही थीं तब महात्मा विदुर ने उनसे यह जिज्ञासा की कि जीवन के सबसे कठिन निर्णयों में उन्हें किस बात ने सबसे अधिक संबल दिया था।

माता कुंती ने अत्यंत शांत और गंभीर स्वर में कहा कि एक मां के लिए सबसे बड़ा धर्म अपनी संतान को सुरक्षित रखना होता है चाहे उसके लिए उसे समाज के कठोर प्रश्नों और अपने भीतर के अपराधबोध को ही क्यों न सहना पड़े।

उन्होंने विदुर को यह गुप्त रहस्य बताया कि जब परिस्थितियां इतनी जटिल हो जाएं कि हर शब्द किसी नए संघर्ष को जन्म दे सकता हो तब संयम और चुप्पी ही सबसे बड़ा कवच बन जाती है।

माता कुंती ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने जीवन में अनेक बार अपमान और पीड़ा को इसलिए स्वीकार किया क्योंकि वे अपने बच्चों के भविष्य पर किसी भी प्रकार की आंच नहीं आने देना चाहती थीं।

महात्मा विदुर ने जब माता कुंती के इस त्यागपूर्ण भाव को सुना तो उन्हें यह बोध हुआ कि इतिहास के पन्नों में केवल युद्ध और सिंहासन ही दर्ज नहीं होते बल्कि उन माताओं के अदृश्य बलिदान भी दर्ज होते हैं जिन्होंने परिवार को जोड़े रखा।

यह भी माना जाता है कि उस क्षण माता कुंती ने यह स्पष्ट कर दिया कि सच्ची शक्ति शोर या प्रतिशोध में नहीं बल्कि सहनशीलता और कर्तव्य के प्रति अटूट समर्पण में निहित होती है।

यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि जीवन में कठिन से कठिन परिस्थितियों के बीच भी प्रेम और दायित्व की डोर थामे रखना ही वास्तविक महानता है।

50 वर्ष के पार हर छह में से एक को बीमारियों की भरमार!

डॉ. दीपक गोस्वामी

अपने माता-पिता के चेहरे पर पढ़िए, उनकी दवाइयों के डिब्बे में देखिए, उनकी सुबह की चाल और रात की बेचैनी में पहचानिए। क्योंकि यह केवल बीमारी का आँकड़ा नहीं, उस पीढ़ी की जिंदगी का प्रश्न है जिसने अपने बच्चों का भविष्य सँवारने में अपना वर्तमान लगा दिया।
विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से भारतीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान द्वारा किए गए रअॠष इंडिया के तीसरे चरण के अध्ययन (2019ॠ20) में 50 वर्ष और उससे अधिक आयु के 6,719 प्रतिभागियों का विश्लेषण किया गया। असम, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के इन आँकड़ों में 17.7 प्रतिशत लोगों को दो या उससे अधिक दीर्घकालिक बीमारियाँ थीं।
अर्थात लगभग हर छह में से एक व्यक्ति एक साथ अनेक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहा था।
यह संख्या डराने के लिए नहीं, परिवारों को जगाने के लिए पर्याप्त है। एक बीमारी हो तो एक उपचार, लेकिन जब शरीर में कई बीमारियाँ एक साथ घर बना लें तो जाँच, औषधि, परहेज, चिकित्सकीय परामर्श और खर्च–सबकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। एक बीमारी शरीर को थकाती है, अनेक बीमारियाँ पूरे परिवार की व्यवस्था बदल देती हैं।
रक्तचाप की चुप्पी और गठिया की चुनौती
अध्ययन में उच्च रक्तचाप 29 प्रतिशत और गठिया 12.9 प्रतिशत के साथ प्रमुख दर्ज दीर्घकालिक बीमारियों में सामने आए। मधुमेह का दर्ज अनुपात 12.7 प्रतिशत था।
लेकिन यहाँ एक अत्यंत महत्वपूर्ण वैज्ञानिक तथ्य छिपा है। स्वयं बताई गई उच्च रक्तचाप की समस्या 29 प्रतिशत थी, जबकि सर्वेक्षण में रक्तचाप मापने पर इसका अनुपात 53.6 प्रतिशत मिला। दोनों आँकड़ों के नमूने और पहचान के तरीके अलग हैं। इससे यह समझ आता है कि केवल पहले से पहचानी गई बीमारी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है।
उच्च रक्तचाप कई बार बिना स्पष्ट लक्षणों के रहता है। अनियंत्रित रहने पर हृदय, मस्तिष्क और गुर्दों को नुकसान पहुँचने का जोखिम बढ़ता है। व्यक्ति खेत में काम करता रहता है, दुकान चलाता रहता है, परिवार संभालता रहता है, लेकिन उसे अपने रक्तचाप की वास्तविक स्थिति का पता तक नहीं होता।
गठिया दूसरी तरह की चुनौती है। दर्द, सूजन और जोड़ों की अकड़न व्यक्ति की चलने-फिरने तथा दैनिक कार्य करने की क्षमता प्रभावित कर सकती है। इसे केवल बुढ़ापे का सामान्य परिणाम मानकर छोड़ देना उचित नहीं।

उम्र बढ़ने के साथ बढ़ता स्वास्थ्य जोखिम

सर्वेक्षण के आयु वर्गवार आँकड़े देखिए:
आयु वर्ग दो या अधिक बीमारियाँ
50ॠ59 वर्ष 12.3%
60ॠ69 वर्ष 20.1%
70ॠ79 वर्ष 21.0%
80 वर्ष से अधिके 22.0%
अर्थात 50 वर्ष के बाद एकाधिक बीमारियों का अनुपात अधिक आयु वर्गों में बढ़ा हुआ मिला। यह भी ध्यान रहे कि इसका अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक बुजुर्ग अनिवार्य रूप से बीमार होगा। समय पर पहचान, उचित उपचार और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता से अनेक जोखिम कम किए जा सकते हैं।

राज्यों का अंतर और व्यवस्था से सवाल

छह राज्यों में दर्ज एकाधिक बीमारियों का अनुपात कर्नाटक में 29.9 प्रतिशत, असम में 27.8 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 25.9 प्रतिशत, राजस्थान में 17.5 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 12.6 प्रतिशत और महाराष्ट्र में 11.5 प्रतिशत था।
अब प्रश्न उठता है कि क्या उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बुजुर्ग वास्तव में अधिक स्वस्थ हैं?
ऐसा निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। बीमारी की वास्तविक मौजूदगी, पहचान, सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सभी परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। कम दर्ज बीमारी का अर्थ आवश्यक रूप से अधिक स्वस्थ जनसंख्या नहीं है।
लेकिन इस अंतर को केवल जाँच की कमी बताना भी प्रमाण से आगे जाना होगा।
यह अध्ययन छह राज्यों पर आधारित है। इसके परिणामों को देश के प्रत्येक राज्य और प्रत्येक बुजुर्ग की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति का प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं समझना चाहिए।
सबसे बड़ा प्रश्न–बीमारी पता चलने के बाद उपचार कहाँ है?
यहीं इस रिपोर्ट का एक और गंभीर निष्कर्ष सामने आता है।
50 वर्ष से अधिक आयु के जिन लोगों में संबंधित बीमारी की पहचान हो चुकी थी, उनमें पिछले 12 महीनों के दौरान दवा या उपचार न मिलने की स्थिति भी दर्ज की गई।
उदाहरण के लिए:
- गठिया में उपचार की अपूर्ण आवश्यकता 30.4 प्रतिशत थी।
- उच्च रक्तचाप में 24 प्रतिशत थी।
- मधुमेह में 15.1 प्रतिशत थी।
- अवसाद में यह अनुपात 55.3 प्रतिशत था।
इन आँकड़ों का अर्थ यह है कि बीमारी की पहचान हो जाना ही पर्याप्त नहीं है। पहचान के बाद उपचार की निरंतर उपलब्धता भी उतनी ही आवश्यक है।
और एक दूसरा आँकड़ा भी व्यवस्था को आईना दिखाता है। जिन 50 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागियों को स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता थी, उनमें 15 प्रतिशत को जरूरत पड़ने पर स्वास्थ्य सेवा नहीं मिल सकी। उत्तर प्रदेश में यह अनुपात 26.6 प्रतिशत दर्ज हुआ। यहाँ प्रश्न केवल बीमारी का नहीं, स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक पहुँच का है।

बीमारी के पीछे सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियाँ

नवंबर 2026 में प्रकाशित एक नए शोधपत्र ने भी इसी विषय को आगे बढ़ाया। इसके अनुसार उम्र, आर्थिक स्थिति, अनुसूचित जनजाति से जुड़ी सामाजिक स्थिति और राज्य का एकाधिक बीमारियों से स्वतंत्र सांख्यिकीय संबंध दिखाई दिया।
शोध में पाँच जीवनशैली संबंधी जोखिम व्यवहारों का संयुक्त विश्लेषण किया गया। अन्य कारकों का समायोजन करने के बाद उनका एकाधिक बीमारियों से स्वतंत्र संबंध सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं रहा।
इसका अर्थ यह नहीं कि खानपान, तंबाकू, शराब और शारीरिक गतिविधि महत्वहीन हैं। इसका अर्थ केवल इतना है कि इस अध्ययन से इन सभी व्यवहारों को एकाधिक बीमारियों का स्वतंत्र कारण घोषित नहीं किया जा सकता। बीमारी को समझने के लिए व्यक्ति की जीवनशैली के साथ उसकी आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों को भी देखना होगा।

किसान से लेकर महानगर के कर्मचारी तक

एक ग्रामीण किसान सुबह खेत जाता है, दिनभर श्रम करता है और शाम को मंडी पहुँचता है। उसे रक्तचाप की स्थिति मालूम नहीं। उसकी पत्नी घुटनों के दर्द को उम्र का स्वाभाविक परिणाम समझकर सहती रहती है। दूसरी तरफ महानगर का कर्मचारी लंबे समय तक बैठकर काम करता है, तनाव में रहता है और शारीरिक गतिविधि के लिए समय नहीं निकाल पाता।
दोनों की परिस्थितियाँ अलग हैं, लेकिन दोनों को स्वास्थ्य जागरूकता और उचित उपचार की जरूरत है।
यह उदाहरण सामाजिक परिस्थितियों को समझाने के लिए है, किसी स्थानीय सर्वेक्षण का निष्कर्ष नहीं।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 30 नवंबर 2026 सोमवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष कर्क तुला वृश्चिक और मीन राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। सोमवार का दिन देवों के देव महादेव भगवान शिव की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन शिव मंदिर में जाकर कच्चे दूध गंगाजल बेलपत्र और सफेद पुष्प से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक करने तथा महामृत्युंजय मंत्र का जप करने से जीवन के सभी संकट और मानसिक तनाव दूर होते हैं तथा अचल शांति मान सम्मान और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। शिवलिंग पर कच्चा दूध अर्पित करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। रुद्राष्टकम का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क



आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। भगवान शिव को सफेद चंदन अर्पित करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। शिव मंदिर में शुद्ध घी का दीपक जलाएं जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को सफेद अन्न और फल दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और जनसंपर्क क्षेत्र से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। शिवलिंग पर गंगाजल और दही अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। महामृत्युंजय मंत्र का जप करें जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में बेलपत्र की माला चढ़ाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। सोमवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। शिव चालीसा का पाठ करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। भगवान भोलेनाथ के चरणों में प्रणाम कर-के दिन की शुरूआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

सोमवार के दिन घर के ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां शुद्ध जल से भरा कलश स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर स्वच्छता बनाए रखने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान शिव की कृपा से घर में शांति सद्भाव और स्थायी सुख-समृद्धि का वास होता है।

गऊ ग्राम परखम में गौ-संवर्धन, आयुर्वेद व वैज्ञानिक अनुसंधान के नए युग का हुआ सूत्रपात

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान व उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया विभिन्न प्रकल्पों एवं पुस्तकों का विमोचन, लोकार्पण व शिलान्यास

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति, दीनदयाल धाम, फरह के तत्वावधान शनिवार को दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र, गऊ-ग्राम, परखम में गौ-संवर्धन, आयुर्वेद, अनुसंधान और शिक्षा को समर्पित विभिन्न प्रकल्पों तथा पुस्तकों का भव्य विमोचन, लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ।

समारोह का शुभारंभ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, निरंजन पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामण्डलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशानन्द गिरि जी महाराज एवं श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज ने द्वारा गौ-पूजन के साथ हुआ। गौ पूजन के उपरांत पूज्य संतों एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम प्रांगण वंदे मातरम् गान से गूंज उठा।

समारोह में निरंजन पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामण्डलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशानन्द गिरि जी महाराज एवं श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज का पावन आशीर्वचन प्राप्त हुआ। संतों ने अपने उद्बोधन में भारतीय संस्कृति में गौ-सेवा, पंचगव्य और आयुर्वेद की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसे राष्ट्र उत्थान का आधार बताया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, एस०पी० सिंह बघेल द्वारा गऊ ग्राम में संचालित प्रमुख प्रकल्प का विमोचन, लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। अतिथियों ने पशु आयुर्वेद एवं पारंपरिक ज्ञान में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम का विमोचन किया। अनुवादात्मक चिकित्सा में आयुर्वेद और पंचगव्य अनुसंधान केन्द्र तथा श्री नन्दीश्वर छात्रावास छात्रावास का लोकार्पण और आयुर्वेद कॉलेज एवं चिकित्सालय, पशु चिकित्सालय महाविद्यालय तथा आवासीय परिसर 2 बीएचके का शिलान्यास किया।





समारोह में उपस्थित जनसमुदाय और छात्रों को संबोधित करते हुए शिवराज सिंह चौहान केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने मंच को ज्ञान, भक्ति और कर्म का त्रिवेणी संगम बताते हुए ब्रज भूमि, भगवान श्रीकृष्ण और पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि छोटी जोत वाले किसानों की खेती को लाभकारी बनाने के लिए लागत घटाना और उत्पादन बढ़ाना जरूरी है, जिसका सबसे सशक्त माध्यम गो-आधारित प्राकृतिक खेती और पशुपालन है। उन्होंने समिति की नव-उद्घाटित प्रयोगशाला की सराहना करते हुए कहा कि यहां पंचगव्य के लाभों के वैज्ञानिक प्रमाण जुटाने के साथ-साथ वनस्पतियों के प्रयोग से गौमाता के लिए 'सुपर फूड' तैयार किया जा रहा है, जिससे गौवंश अधिक स्वस्थ होगा और पंचगव्य उत्पाद और भी गुणकारी बनेंगे। अंत में उन्होंने ब्रजवासियों और किसानों से घर-घर गो-पालन करने, प्राकृतिक खेती अपनाने तथा गांवों को नशामुक्त बनाने का संकल्प दिलाया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि की ओर से सभी संतों और नागरिकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि गौ-माता का संरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध ग्रामीण अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक खेती और किसानों की समृद्धि से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति गौ-संरक्षण को आधुनिक शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, चिकित्सा और प्रशिक्षण से जोड़ने का अनुकरणीय कार्य कर रही है। उन्होंने ब्रज भूमि व मां यमुना के अटूट संबंध का उल्लेख करते हुए श्रद्धालुओं को उत्तराखण्ड के हरिपुर कालसी स्थित यमुना तट के नवनिर्मित भव्य घाट पर आने का आमंत्रण भी दिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुरेश सोनी, सदस्य अखिल भारतीय कार्यकारिणी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा कि यह प्रकल्प केवल देश के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए परिवर्तनकारक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में प्रकृति के नवीकरणीय चक्र पर आधारित जैविक और प्रदूषणरहित जीवनशैली रही है, जबकि आधुनिक असंतुलन के कारण धरती, वायु और जल प्रभावित हुए हैं। आज मनुष्य, जल, पशु, पक्षी और वृक्षों के बीच के संतुलन को पुनः स्थापित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पशु आयुर्वेद के पाठ्यक्रम और आधुनिक प्रयोगशाला के माध्यम से पारंपरिक पशु चिकित्सा का वैज्ञानिक वैधीकरण होगा, जो नीति निमार्ताओं, संतों, वैज्ञानिकों और सामाजिक संस्थाओं के समन्वय से विश्व का मार्गदर्शन करेगा।

डॉ. चिन्मय पंड्या, प्रमुख, अखिल विश्व गायत्री परिवार एवं कुलाधिपति, देव संस्कृति विश्वविद्यालय ने पशु आयुर्वेद एवं पारंपरिक ज्ञान के एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम को विश्व का पहला और अनूठा पाठ्यक्रम बताते हुए कहा कि यह भविष्य में भारत ही नहीं, बल्कि विश्व की व्यवस्था व दिशा को बदलने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि पंचगव्य केवल पांच पदार्थों का मेल नहीं, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण, आध्यात्म और अर्थव्यवस्था को एक समग्र व्यवस्था के रूप में जोड़ने की भारतीय दृष्टि है। 'लैंसेट' के शोध का संदर्भ देते हुए उन्होंने पंचगव्य व गौ-आधारित जीवनशैली के स्वास्थ्य लाभों को रेखांकित किया और अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से शुभकामनाएं दीं।

श्याम लाल, संयोजक अखिल भारतीय गौसेवा ने कहा कि यह संस्थान आगे चलकर पूरे विश्व को प्रेरणा देगा और भारत का भाग्य देसी गाय के माध्यम से लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि देसी गाय और पंचगव्य के सही उपयोग से हम देश की कृषि व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य को सुदृढ़ कर 'रोग मुक्त भारत', 'कर्ज मुक्त भारत' और 'रोजगार युक्त भारत' का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने गोबर-गौमूत्र आधारित जैविक खेती, गोबर गैस व सीबीजी ऊर्जा, लगभग 300 प्रकार के पंचगव्य उत्पादों से ग्रामीण रोजगार तथा गोचर भूमि पर चारा व सब्जी की चक्रीय खेती के माध्यम से गोधन संरक्षण और कुपोषण निवारण के व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किए।

समारोह में केंद्रीय मत्स्य पालन एवं पशुपालन राज्यमंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, दिनेश कुलकर्णी, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, भारतीय किसान संघ, कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, धर्मपाल सिंह पशुधन एवं दुग्ध मंत्री, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री प्रवीण रामदास, भारतीय पशु चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष डॉ. उमेश चंद्र शर्मा, स्वामी विनोद बाबा जी महाराज एवं स्वामी शिवचंद्र दास जी महाराज की उपस्थित रहे।

मीडिया प्रभारी कीर्ति पी. कुमार ने संपन्न हुए प्रमुख प्रकल्पों की जानकारी देने के साथ समस्त पूज्य संतों, अतिथियों, मीडिया प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में पधारे नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ललित वत्स एवं डॉ. सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापित महेश गुप्ता अध्यक्ष दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति ने किया।

- समारोह में यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर अखिल भारतीय गौ गतिविधि संयोजक अजीत महापात्रा, क्षेत्र प्रचारक महेंद्र शर्मा, धर्मेंद्र, कीर्ति पी० कुमार, महेश गुप्ता, हरिशंकर शर्मा, नितिन बहल, विनीत शर्मा, कौशल किशोर शर्मा, अभिषेक शर्मा, राज्यसभा सांसद चौधरी तेज वीर सिंह, महा, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह चौधरी, डॉ. दिनेश, विधायक पूरन प्रकाश, ठा ० मेघ श्याम सिंह, राजकुमार चाहर, राम प्रताप चौहान, नवीन जैन, मंजू भदौरिया, डॉ. पुण्यमूर्ति नटेशन, अरविंद गोयल, सतीश अवाना, मुकेश शर्मा, अनुज कुमार वर्मा, बिरला ग्रुप के समीर अग्रवाल, के.ई.एन. राघवन, आईसीएआर के उप महानिदेशक पशु विज्ञान डॉ. राघवेंद्र भटा, कंवर सिंह तंवर, अजय रस्तोगी, सुरेश कौशिक, शैलजा कांत मिश्र, मुकेश मेश्राम, रंजन कुमार, डी.एस.एन. मूर्ति, संगीत सोम, डॉ. बल्लभ भाई कथीरिया, सुरेश जाकोटिया सहित आयुक्त आगरा, जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा उपस्थित रहे।

- ऋषि गौतम मंच रहे उपस्थित

आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि महाराज, आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशानन्द गिरि महाराज, परमाध्यक्ष अखिल भारतीय स्वामी रामतीर्थ मिशन, देहरादून, डॉ. स्वामी शिवचन्द्र दास महाराज, स्वामी विनोद बाबा महाराज, गायत्री परिवार के डॉ. चिन्मय पंड्या 'भाई जी', चंद्रोदय मंदिर वृन्दावन के अनंतवीर महाराज, केंद्रीय मत्स्य पालन एवं पशुपालन राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी मंडल सदस्य सुरेश सोनी, गौ सेवा गतिविधि के अखिल भारतीय कार्यकारिणी मंडल मार्गदर्शक शंकर लाल, अखिल भारतीय किसान संघ के संगठन मंत्री डॉ. दिनेश कुलकर्णी, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री प्रवीण रामदास, उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्रियों में बेबी रानी मौर्य, लक्ष्मी नारायण चौधरी, योगेन्द्र उपाध्याय उच्च शिक्षा मंत्री व धर्मपाल पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग, भारतीय पशु चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष डॉ. उमेश चंद्र शर्मा तथा दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के अध्यक्ष महेश गुप्ता मंच पर विराजमान रहे।

पुस्तक एवं पाठ्यक्रम का विमोचन हुआ

फरह, मथुरा। समारोह में मंचासीन अतिथियों द्वारा पशु आयुर्वेद एवं पारंपरिक ज्ञान में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम से जुड़ी पुस्तक प्रो. के.एम.एल. पाठक की पुस्तक/पाठ्यक्रम वितरण का विमोचन किया गया। इसके साथ ही दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति द्वारा प्रकाशित तथा यूपीईएस देहरादून के प्रोफेसर डॉ. ध्रुव कुमार विश्व के शीर्ष दो प्रतिय कैंसर वैज्ञानिकों में शामिल एवं शोधार्थी मेघना पाट्याल द्वारा लिखित पुस्तक 'द काऊ रिसर्च : मॉलिक्यूलर एस्पेक्ट्स' का भी विमोचन हुआ। इस अवसर पर दुवासु के कुलपति डॉ. अभिजीत मित्र ने एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा की मान्यता के संबंध में जानकारी दी और भारतीय पशु चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष डॉ. उमेश चंद्र शर्मा ने दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान संस्थान के केंद्र में पाठ्यक्रम संचालन तथा पशु चिकित्सा एवं आयुर्वेदिक शिक्षा से जुड़े सहयोग का उल्लेख किया।

यूपी चुनाव 2027 की तैयारी तेज

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का महाअभियान; 38 हजार से ज्यादा फॉर्म जमा!

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के दृष्टिगत अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर संचालित विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के संबंध में माननीय रोल प्रेक्षक / आयुक्त, आगरा मंडल, आगरा नगेन्द्र प्रताप अध्यक्षता में समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई संपन्न।

बैठक ने समाजवादी पार्टी से वीरेंद्र यादव व प्रदीप चौधरी, भारतीय जनता पार्टी से आकाश चौधरी, इंडियन नेशनल कांग्रेस से बलवीर प्रधान व अशोक कुमार श्रीवास्तव, बहुजन समाज पार्टी से मुनेन्द्र सिंह निगम, कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट) से सुरेश कुमार आर्य तथा आम आदमी पार्टी से भगत सिंह व भोजराज सुमन मौजूद रहे।

बैठक में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, अपर आयुक्त आगरा मण्डल आगरा विवेक कुमार यादव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 पंकज कुमार वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श अखिलेश कुमार, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खण्डेलवाल सहित निर्वाचन कार्यालय के अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान माननीय रोल प्रेक्षक/मंडलायुक्त श्री नगेन्द्र प्रताप जी



- मंडलायुक्त ने राजनीतिक दलों के साथ की चुनावी समीक्षा
- 18 साल के युवाओं को वोटर बनाने पर विशेष जोर
- 27 नवंबर तक 38,465 फॉर्म-6, 1,931 फॉर्म-7 जमा

ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि अधिकाधिक पात्र नागरिकों, विशेषकर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। इसके लिए विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के माध्यम से विशेष जागरूकता अभियान संचालित करते हुए पात्र छात्र-छात्राओं से फॉर्म-6 भरवाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी पात्र युवा मतदाता पंजीकरण से वंचित न रहने पाए।

उन्होंने समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट को सक्रिय करने तथा उन्हें विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल एजेंट अपने-अपने बूथों पर पात्र एवं छूटे हुए मतदाताओं की पहचान करने तथा उनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सभी राजनैतिक दल अधिकाधिक पात्र नए मतदाताओं का फॉर्म-6 भरवाने में सहयोग प्रदान करें। बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से किसी भी प्रकार की आ रही समस्याओं एवं सुझाव मांगे, इस पर सभी प्रतिनिधियों ने अभियान प्रगति पर संतोषजनक सहमति प्रदान करते हुए कहा कि सभी कार्य पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता से चल रहे हैं।

माननीय रोल प्रेक्षक ने निर्देशित किया कि बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) एवं बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) आपसी समन्वय, सहयोग एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करें, जिससे पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर मतदाता सूची का गंभीरता से परीक्षण किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रहे। ह्लकोई मतदाता न छूटेह्व के संकल्प को धरातल पर साकार करने के लिए प्रत्येक बीएलओ को प्रेरित करते हुए प्रभावी ढंग से कार्य कराया जाए।

उन्होंने मतदाता सूची को शुद्ध, त्रुटिरहित, अद्यतन एवं समावेशी बनाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पुनरीक्षण कार्य में सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण जिम्मेदारी, निष्पक्षता एवं गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। पात्र नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के साथ-साथ मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन एवं अन्य निर्धारित प्रक्रियाओं को भी नियमानुसार समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए।

बैठक में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने आश्वस्त किया कि जनपद में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा रहा है। सभी संबंधित अधिकारियों, बीएलओ एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अधिकाधिक पात्र मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित कराया जा रहा है। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों से अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करने की अपील की।

जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि 17 नवंबर 2026 को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन हुआ था। उसके उपरान्त विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य जारी है। उन्होंने अवगत कराया कि 17 से 27 नवंबर 2026 तक 38465 फॉर्म 6, 1931 फॉर्म 7 तथा 4850 फॉर्म 8 प्राप्त हुए है। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान दिवस को "यूथ ऑन बूथ" के रूप में मनाया जा रहा है। सभी 2263 बूथों पर बीएलओ की उपस्थिति में फॉर्म 6, 7 एवं 8 भरवाए जा रहे है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को 20-20 बूथों का आवंटन किया गया है तथा सभी द्वारा आज और कल बूथों का निरीक्षण करते हुए अधिकाधिक फॉर्म 6 भरवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी 5 विधानसभाओं में विशेष कैंपों हेतु प्रभारियों के रूप में अपर जिलाधिकारियों को लगाया गया है।

बैठक का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को अधिकाधिक शुद्ध, पारदर्शी एवं समावेशी बनाते हुए आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के लिए सुदृढ़ एवं त्रुटिरहित निर्वाचक नामावली तैयार करना रहा।

बच्चों के आइडिया में दिखा भविष्य का विज्ञान

मथुरा के बाल वैज्ञानिक अब नोएडा में दिखाएंगे दम!

- पर्यावरण से स्वच्छ ऊर्जा तक, बच्चों ने पेश किए अनोखे मॉडल
- जिला स्तरीय प्रतियोगिता में नवाचार और वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन
- चयनित टीमें अब राज्य स्तर पर करेंगी मथुरा का प्रतिनिधित्व

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



32वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के अंतर्गत आयोजित जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित विद्यार्थियों की टीमें अब नोएडा में होने वाली राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में मथुरा का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, कृषि, स्वास्थ्य और स्वच्छ ऊर्जा जैसे विषयों पर अपने नवाचार आधारित प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।

श्री कृष्ण सभागार, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय मथुरा में आयोजित इस प्रतियोगिता का संचालन जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का संयोजन जिला समन्वयक कविता सक्सेना एवं जिला एकेडमिक कॉर्डिनेटर नम्रता बरोलिया ने किया।

इस वर्ष प्रतियोगिता की मुख्य थीम ह्यसाइंस एंड इनोवेशन फॉर सस्टेनेबिलिटीह्व रखी गई थी। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने शोध आधारित प्रोजेक्ट, मॉडल और पोस्टर के माध्यम से सामाजिक एवं पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने अपनी शोध डायरी, सर्वे रिपोर्ट और निष्कर्षों को निर्णायक मंडल के सामने प्रस्तुत किया।

प्रोजेक्ट्स का मूल्यांकन जीएलए यूनिवर्सिटी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. एसपी शर्मा, डॉ. भारती पांडे और आकांक्षा सिंह के निर्णायक मंडल ने किया। मूल्यांकन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मौलिकता, प्रस्तुतीकरण और सामाजिक उपयोगिता को आधार बनाया गया। प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागियों में पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज, फरह की राधिका और मनीषा, राजकीय हाई स्कूल, बढ़ाय गंगधर के देव तथा चमेली देवी खंडेलवाल इंटर कॉलेज की लक्ष्मी शामिल हैं। ये विद्यार्थी अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा और नवाचार की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी भविष्य के वैज्ञानिक और इनोवेटर बन सकते हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला समन्वयक कविता सक्सेना, जिला एकेडमिक कॉर्डिनेटर नम्रता बरोलिया, डीआईओएस कार्यालय की टीम, निर्णायक मंडल, प्रधानाचार्यों और मार्गदर्शक शिक्षकों का सहयोग रहा।

ब्रिटिश संसद में चमका ब्रज का नाम

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

एनयूजेआई के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष डॉ कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट ने कहा मेरा और मेरे बेटे का लंदन में सम्मान यह ब्रजवासियों का सम्मान है। उपमन्यु ने बताया कि लंदन में द्विपक्षीय संबंधों के एक ऐतिहासिक पड़ाव की पृष्ठभूमि में, जी मीडिया कॉर्पोरेशन ने 27 नवंबर 2026 को ब्रिटिश संसद के प्रतिष्ठित चर्चिल हॉल (हाउस ऑफ कॉमन्स) में 'ग्लोबल इनोवेशन एंड लीडरशिप समिट 2026' का भव्य आयोजन किया गया था।

इस कार्यक्रम में ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष एवं छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सिविल एरिया कमेटी के अध्यक्ष डॉ कमल कांत उपमन्यु एडवोकेट एवं उनके बेटे रौनक उपमन्यु एडवोकेट जो नेशनल डिबेटर एवं



क्यूंन मेरी लॉ यूनिवर्सिटी के एल एल एम के स्टूडेंट हैं।

इस शिखर सम्मेलन में यूनाइटेड किंगडम के हाउस ऑफ लॉर्ड्स की सदस्य बैरोनेस संदीप वर्मा; यूनाइटेड किंगडम के सांसद गगन मोहिंद्रा; ईलिंग साउथॉल के प्रतिष्ठित पूर्व सांसद वीरेंद्र शर्मा; ब्रिटिश सरकार के अंतरराष्ट्रीय विकास विभाग के राज्य सचिव के पूर्व आयुक्त सुभाष वी. ठकरार; अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक गुरु अखंड स्वामी महाराज आदि शामिल थे।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने का रोडमैप तैयार

परख सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर तीन दिन चला मंथन

❍ टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) मथुरा के सभागार में 26 नवंबर से 28 नवंबर 2026 तक तीन दिवसीय परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण रिपोर्ट आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ डायट के प्राचार्य/उपनिदेशक डॉ. धर्मेंद्र शर्मा ने मां सरस्वती के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्राचार्य/उपनिदेशक डॉ. धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्तापरक, समावेशी एवं परिणामोन्मुख बनाने में शैक्षिक मूल्यांकन की महत्वपूर्ण भूमिका है। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण विद्यार्थियों के अधिगम स्तर, शैक्षिक दक्षताओं एवं विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता का वस्तुनिष्ठ आकलन



करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण से प्राप्त निष्कर्षों एवं आंकड़ों का समुचित विश्लेषण कर शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। शिक्षक एवं शैक्षिक अधिकारी इन निष्कर्षों को व्यवहार में उतारकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में सार्थक प्रयास करें।

डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता संजय डबराल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए कहा कि परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण के निष्कर्ष केवल आंकड़ों का संकलन नहीं हैं, बल्कि ये हमारी शैक्षिक उपलब्धियों, चुनौतियों एवं सुधार की संभावनाओं का दर्पण हैं। उन्होंने प्रशिक्षण की विषयवस्तु, उद्देश्यों एवं कार्ययोजना की जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को सर्वेक्षण रिपोर्ट के विभिन्न आयामों को गहनता से समझने तथा उनका शैक्षिक संदर्भों में विश्लेषण करने के लिए प्रेरित किया।

प्रशिक्षण के संयोजक एवं डायट प्रवक्ता डॉ. गौरव गुंजन ने प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण रिपोर्ट के माध्यम से प्राप्त शैक्षिक साक्ष्यों को शिक्षण प्रक्रिया से जोड़ना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को सर्वेक्षण आधारित शैक्षिक निष्कर्षों की समझ विकसित कराते हुए विद्यालय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं अधिगम प्रतिफलों में अपेक्षित सुधार हेतु सक्षम बनाना है।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण रिपोर्ट के विभिन्न पहलुओं, शैक्षिक उपलब्धियों के विश्लेषण, अधिगम प्रतिफलों के आकलन तथा शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श एवं प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने में डायट प्रवक्ता कुसुम लता, रचना वाला, संतोष कुमार, डॉ. देवकांत शर्मा तथा एसआरजी शिवकुमार का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

चुनावी तैयारियों पर अधिकारियों का ताबड़तोड़ निरीक्षण!

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत मुख्य विकास अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह, ने संयुक्त रूप से ठाकुर वीर सिंह इंटर कॉलेज, एवं जीजीआईसी गर्ल्स इण्टर कॉलेज टूंडला स्थित मतदान केंद्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने मतदान केंद्र पर बने बूथ संख्या 157से 170 तक की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और निर्वाचन संबंधी तैयारियों को परखा।

बूथ संख्या 157 से 170 तक 14 बूथ बीरी सिंह इंटर कॉलेज व राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के बूथ संख्या 173 से 181 का निरीक्षण किया गया। सभी बीएलओ को सभी नए 18 वर्ष के व छूटे हुए मतदाताओं को वोटर लिस्ट में जोड़े जाने के लिए निर्देशित किया गया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह (कअर),ने मतदान केंद्र पर मौजूद युवा मतदाताओं, महिलाओं तथा स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद किया। अधिकारियों ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के महत्व की जानकारी देते हुए लोगों



को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में प्रत्येक मतदाता की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं और निर्वाचन प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

अपर जिलाधिकारी न्यायिक सीमा पांडे ने पोलिंग बूथों ,का निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय कठफरी, बूथ संख्या 13, 14 एवं 15 ठाकुर तारा सिंह इंटर कॉलेज, नौशहरा बूथ संख्या 23 से 26 तक बीएलओ को दिशा निर्देश दिए।

- सीडीओ ने टूंडला के मतदान केंद्रों का लिया जायजा
- 18 साल के युवाओं और छूटे मतदाताओं पर विशेष फोकस
- बीएलओ को पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने के निर्देश

अधिकारियों ने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि जो युवा निर्धारित पात्रता पूरी कर चुके हैं, वे मतदाता बनने के लिए आगे आएं। साथ ही मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर संबंधित प्रक्रिया के माध्यम से उसका सुधार कराएं।

मुख्य विकास अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने मतदान केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया। इस मौके पर नायब तहसीलदार दीपक कुमार,ने संयुक्त निरीक्षण से निर्वाचन तैयारियों को लेकर प्रशासनिक गंभीरता भी नजर आई।



खेलकूद और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में दिव्यांग बच्चों की दिखी प्रतिभा

शिकोहाबाद। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर शनिवार को प्राथमिक विद्यालय बिदरखा परिसर में तहसील स्तरीय दिव्यांग बच्चों की खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में परिषदीय विद्यालयों के 52 दिव्यांग बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक व्यायाम शिक्षक संजीव यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद 50 मीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिताओं की शुरूआत कराई गई। बच्चों के लिए कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़, 50 मीटर दौड़, चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कुर्सी दौड़ बालक वर्ग में दुष्यंत प्रथम, सिद्धांत द्वितीय और प्रियांशु तृतीय रहे। बालिका वर्ग में गौरी प्रथम, तनिष्का द्वितीय और गुंजन तृतीय स्थान पर रहीं। चित्रकला में परी, रागिनी और आलेख ने स्थान प्राप्त किया। दूसरे वर्ग में अनामिका प्रथम, वर्षा द्वितीय और उपासना तृतीय रहीं। चम्मच दौड़ में आलेख प्रथम, सिद्धांत द्वितीय और विकास तृतीय रहे। 50 मीटर दौड़ में प्रांशु प्रथम, अनुज द्वितीय और रमन तृतीय रहे। विजेता बच्चों को संजीव यादव ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। संचालन स्पेशल एजुकेटर मृदुल किशोर झा ने किया। आयोजन में राजीव कुमार, नवीन कुमार, कप्तान सिंह, शिवेंद्र कुमार, दिनेश कुमार सिंह, शादाब अली, अनामिका शर्मा और स्नेह लता सहित शिक्षक मौजूद रहे।

व्यापारियों के विरोध के बाद नाले का निर्माण कार्य रुका



टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

जलेसर रोड पर दाऊदयाल स्टेडियम से ककरऊ की कोठी तक प्रस्तावित 15 फीट चौड़े नाले के निर्माण को लेकर व्यापारियों का विरोध आखिरकार रंग लाया। जोनल कार्यालय ककरऊ की कोठी पर महापौर कामिनी राठौर की उपस्थिति में नगर आयुक्त प्रशांत नगर, सहायक आयुक्त निहालचंद, मुख्य अभियंता एवं अन्य अधिकारियों के साथ व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और सैकड़ों व्यापारियों के साथ वार्ता की।

महानगर अध्यक्ष अम्बेश शर्मा ने व्यापारियों का पक्ष रखते हुए कहा कि सड़क के एक तरफ 15 फीट चौड़ा नाला बनाया जाना व्यापारियों के साथ भेदभाव है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जिलाधिकारी से शिकायत करने पर उनके खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने का मुकदमा दर्ज कराने की बात कही गई। मुकदमे की धमकी से व्यापार मंडल डरने वाला नहीं है। व्यापारियों के टैक्स के पैसे के दुरुपयोग की शिकायत करना सरकारी कार्य में बाधा कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के इस रवैये से व्यापारियों में नाराजगी बढ़ रही है। व्यापार मंडल की मांग है कि नाला निर्माण में दोनों तरफ के व्यापारियों के हितों का ध्यान रखा जाए। महापौर और नगर आयुक्त ने तत्काल प्रभाव से निर्माण कार्य रुकवाने तथा पूरे मामले की दोबारा जांच कराने का आश्वासन दिया। साथ ही दोनों तरफ नाला निर्माण की संभावनाओं पर विचार कर व्यापार मंडल के साथ पुनः बैठक करने की बात कही। अंतिम निर्णय अगली वार्ता के बाद लिया जाएगा। इस दौरान नृपेंद्र चतुर्वेदी एडवोकेट, धर्म सिंह यादव एडवोकेट, आलोक नारायण यादव एडवोकेट, रमाशंकर दादा, अश्वनी ग्रोवर, आलोक यादव सहित सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे।

डीएम, एसएसपी ने थाना समाधान दिवस में सुनीं फरियादियों की समस्याएं

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।



थाना शिकोहाबाद परिसर में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान भूमि विवाद, अवैध कब्जे, पैमाइश और पारिवारिक मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। अधिकारियों ने राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें गठित कर मौके पर जाकर निष्पक्ष एवं शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

ग्राम चितावली निवासी राजकुमारी, बलराम सिंह, दलवीर सिंह व शिव सिंह ने गाटा संख्या 143 की आवंटित भूमि पर विपक्षी द्वारा जबरन निर्माण कराने की शिकायत की। इस पर डीएम ने तहसीलदार एवं प्रभारी निरीक्षक को निर्माण रुकवाने के निर्देश दिए। वहीं नगला जवाहर निवासी तारा सिंह ने खेत की मेड़ तोड़कर अवैध कब्जा करने और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत की। ग्राम कधरा निवासी सुनील कुमार ने गाटा संख्या 822 की पैमाइश में देरी की शिकायत की, जिस पर तत्काल पैमाइश कराने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा रानू यादव की पारिवारिक विवाद से संबंधित शिकायत पर भी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भूमि विवाद एवं अवैध कब्जों के मामलों में तत्काल मौके पर पहुंचकर पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस दौरान एसडीएम शिकोहाबाद, क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

कुशवाहा जिला सभा ने मनाया ज्योतिबा राव फुले का परिनिर्वाण दिवस



फिरोजाबाद। कुशवाहा जिला सभा के तत्वावधान में ग्राम बड़गांव जसराना में राष्ट्रपिता ज्योतिबा राव फुले का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान सिंह ने महात्मा ज्योतिबा राव फुले, सावित्रीबाई फुले, डॉ भीमराव अंबेडकर व तथागत बौद्ध के चित्र पर दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर किया। मुख्य अतिथि प्रो. सलिल कुमार वर्मा ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने दलित व महिला को शिक्षा की अलग जगाई थी। विशिष्ट अतिथि डॉ. प्राजंलि कुशवाहा प्रज्ञा ने कहा कि ज्योतिबा राव फुले ने वैचारिक व शैक्षणिक क्रांति से भारतवर्ष की उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया। वीरेंद्र शाक्य और गुरचरण गौतम ने कहा कि सिर्फ विचारों का मस्तिष्क में आना संघर्ष नहीं बल्कि उन विचारों पर दिन प्रतिदिन अमल करना ही संघर्ष की सच्ची गाथा है। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रेमप्रकाश कुशवाहा एवं संचालन डॉ. गृजेश शाक्य ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को शिक्षण सामग्री अतिथियों के द्वारा भेंट की गई। कार्यक्रम में डॉ राधेश्याम कुशवाह, ललित शाक्य, रामगोपाल, ब्रजेश उपाध्याय, नरेश बाबू, रघुनाथ, रामू, उमेश मामा, दीपक, अनार सिंह आदि मौजूद रहे।

नेत्रहीनों की राह में खड़े है अवरोध, फुटपाथ के साथ पीली पट्टी पर कब्जा

फिरोजाबाद। शहर में जैन मंदिर से लेकर स्टेशन रोड तिकोनिया तक लगभग करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए फुटपाथ पर जगह-जगह अतिक्रमण होने से पैदल यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सबसे गंभीर स्थिति नेत्रहीन और कम देखने वाले लोगों के लिए है। इनके सुरक्षित आवागमन के उद्देश्य से फुटपाथ पर विशेष पीली टैक्टाइल पट्टी बनाई गई थी, ताकि वे पैरों और छड़ी के स्पर्श से रास्ते की दिशा पहचान सकें और सुरक्षित चल सकें। लेकिन अब यही पट्टी दुकानदारों के अतिक्रमण की चपेट में है।



फुटपाथ पर लगी तस्वीरें इसकी स्थिति बयां कर रही हैं। कहीं दुकानों के काउंटर और सामान रखे हैं तो कहीं तिरपाल, बांस और अन्य वस्तुओं ने पैदल रास्ते को घेर रखा है। ऐसे में दृष्टिबाधित व्यक्ति यदि अपनी छड़ी के सहारे पीली पट्टी का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ता है तो अचानक सामने आने वाला सामान, दुकान का ढांचा या अन्य अवरोध उसके लिए दुर्घटना का कारण बन सकता है। कम दृष्टि वाले लोगों को भी रास्ता पहचानने और सुरक्षित निकलने में परेशानी होती है। टैक्टाइल पट्टी महज फुटपाथ की सजावट नहीं, बल्कि दृष्टिबाधित लोगों के लिए दिशा बताने वाली महत्वपूर्ण व्यवस्था है। इसका उद्देश्य तभी पूरा हो सकता है, जब इसके पूरे रास्ते को बाधामुक्त रखा जाए। सवाल यह है कि जब करोड़ों रुपये खर्च कर दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए व्यवस्था बनाई गई तो उसकी सुरक्षा और रखरखाव की जिम्मेदारी कौन निभा रहा है? शहरवासियों ने नगर निगम से पूरे मार्ग का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने और टैक्टाइल पट्टी को पूरी तरह बाधामुक्त कराने की मांग की है।

शिक्षकों की पदोन्नति में मनमानी नहीं चलेगी! यूटा ने बीएसए को सौंपा ज्ञापन



फिरोजाबाद। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) की जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार परिहार को ज्ञापन सौंपकर जनपद में शासनादेशों एवं शैक्षिक नियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग की। यूटा जिला अध्यक्ष डॉ. जया शर्मा ने बीएसए को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि जनपद में चल रही पदोन्नति प्रक्रिया में शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन किया जाना आवश्यक है। किसी भी प्रकार के दबाव में नियमों की अनदेखी न की जाए तथा शिक्षकों के हितों और अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। संगठन सदैव शिक्षक हितों, पारदर्शिता एवं नियमसम्मत कार्यप्रणाली के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के सम्मान और न्यायपूर्ण व्यवस्था के लिए यूटा निरंतर प्रयासरत रहेगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष लोकेश कुमार, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अवनिन्द्र सिंह, हरिशंकर शर्मा, आनंद यादव, यतेंद्र कुमार सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

650 विद्यार्थियों के भरवाए गए मतदाता पंजीकरण के फार्म



टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

जनपद में विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान के तहत युवाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) और बीडीएम गर्ल्स इंटर कॉलेज में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी कल्पना जायसवाल के निर्देशन में संचालित अभियान के तहत ईएलसी के सहायक नोडल अधिकारी डॉ. हिमांशु शर्मा विद्यार्थियों को पंजीकरण की जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने फार्म-6 के माध्यम से नए मतदाता के रूप में पंजीकरण, फार्म-7 से नाम हटाने तथा फार्म-8 से विवरण संशोधन की प्रक्रिया समझाई। साथ ही ऑनलाइन, ऑफलाइन और ईसीआईएनईटी एप के माध्यम से आवेदन करने की जानकारी दी। अब तक लगभग 650 पात्र विद्यार्थियों के फार्म-6 भरवाए जा चुके हैं। बीडीएम गर्ल्स इंटर कॉलेज में छात्राओं एवं महिलाओं को मताधिकार के प्रति जागरूक किया गया। प्रधानाचार्या नीरा माथुर और प्रवक्ता निशांत गोला ने भी पात्र युवाओं एवं महिलाओं से मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की अपील की।

डायट प्राचार्य मुक्तेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक मुदिता पाण्डेय और माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उमेश चंद्र यादव ने भी अभियान में सहभागिता की अपील की। कार्यक्रम में डॉ. अमृता सिंह, सरिता यादव, प्रतिभा, भारती, नीरव, हेमलता यादव और वरुण गौड़ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अवैध खनन पर प्रशासन का शिकंजा

मिट्टी के डंपरों की गांवों में नो एंट्री!

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।



थाना नगला सिंघी क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन और मिट्टी से भरे डंपरों एवं ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के आवागमन को लेकर प्रशासन और पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी टूंडला धर्मवीर भारती एवं क्षेत्राधिकारी शेखर सेंगर की उपस्थिति में ग्राम प्रधानों, प्रशासकों और क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों के साथ समन्वय गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी में ग्रामीणों ने बताया कि नगला सदा, लतीफपुर, धीरपुरा, लांघी खुर्द, टीकरी, गढ़ी थानी, अनवारा, रूदऊ मुस्तकिल, भीकनपुर बझेरा, कुतुबपुर साहब, नियामतपुर एवं बाघई सहित कई गांवों के रास्ते काफी संकरे हैं। इन मार्गों से मिट्टी से भरे भारी डंपरों और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के गुजरने से स्कूली बच्चों, छात्रों तथा स्थानीय लोगों की सुरक्षा को खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने संभावित सड़क दुर्घटनाओं की आशंका जताते हुए इन मार्गों से मिट्टी खनन एवं परिवहन करने वाले वाहनों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग उठाई।

अधिकारियों ने ग्रामीणों को बताया कि पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर जिला खान अधिकारी द्वारा अब तक चार डंपरों को सीज किया जा चुका है। वर्तमान में क्षेत्र में अवैध खनन पूरी तरह बंद है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध खनन और मिट्टी के अवैध परिवहन पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। यदि भविष्य में कोई भी व्यक्ति अवैध खनन या परिवहन में संलिप्त पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गोष्ठी में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, जिला खान अधिकारी, थाना टूंडला के प्रभारी निरीक्षक, थाना नगला सिंघी के थानाध्यक्ष, एचएस मेहता इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के प्रतिनिधि सहित संबंधित ग्रामों के ग्राम प्रधान, प्रशासक एवं संभ्रांत व्यक्ति मौजूद रहे।

आज से शुरू होगा छह दिवसीय दिगंबर जैन प्राचीन मेला महोत्सव



फिरोजाबाद। सुहागनगरी में 29 दिसंबर से तीन जनवरी 2027 तक छह दिवसीय श्री दिगंबर जैन प्राचीन मेला महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। महोत्सव की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को चंद्रप्रभु जिनालय में सकल दिगंबर जैन समाज एवं मेला समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आयोजन की रूपरेखा तय की गई। मीडिया प्रभारी आदीश जैन ने बताया कि छह दिसंबर को सदर बाजार स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन जिनालय में मेला कार्यालय का उद्घाटन होगा। 12 दिसंबर को आचार्य सुरत्न सागर महाराज का नगर में भव्य मंगल प्रवेश होगा तथा 14 दिसंबर को मेला प्रांगण में कील स्थापना की जाएगी। महोत्सव का शुभारंभ 29 दिसंबर को भव्य शोभायात्रा और आकर्षक झांकियों के साथ होगा। 30 दिसंबर से दो जनवरी तक प्रतिदिन महामृत्युंजय सहस्त्रनाम विधान आयोजित किया जाएगा। 31 दिसंबर को इंदौर का अहिंसा ग्रुप और एक जनवरी को मयूर जैन संगीत नाइट भक्ति प्रस्तुतियां देगी। दो जनवरी को जैन विद्या शोध संस्थान लखनऊ के कलाकार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। तीन जनवरी को रथयात्रा की वापसी और रात्रि में विराट कवि सम्मेलन के साथ महोत्सव का समापन होगा। इस दौरान महिला सम्मेलन, विद्वत गोष्ठी और स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। बैठक में अध्यक्ष मनोज जैन जेपी, राहुल जैन एमआर, अशोक जैन भदावर, संजीव कांत जैन, अरुण जैन पीली कोठी, चंद्र प्रकाश जैन सहित समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।



डीएम एवं एसएसपी ने बूथों का किया निरीक्षण

फिरोजाबाद। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत शनिवार को जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने नारायण कॉलेज स्थित मतदान केंद्र का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने बूथ संख्या 362 से 369 तक की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

डीएम और एसएसपी निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र पर मौजूद युवा मतदाताओं, महिलाओं एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद किया। उन्होंने पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ को निर्देश दिए कि पुनरीक्षण अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार निस्तारण किया जाए तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए पूरी गंभीरता से कार्य किया जाए। उन्होंने अभियान को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया।

कैंटर में बना रखा था शराब तस्करी का गुप्त अड्डा

45 लाख की 467 पेटियां बरामद!

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।



जनपद में अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना रामगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक कैन्टर से 467 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। बरामद शराब की कुल मात्रा 4,130 लीटर बताई गई है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 45 लाख रुपये है। शराब तस्करी में प्रयुक्त कैन्टर की कीमत भी करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी नगर, संतोष कुमार सिंह, के नेतृत्व में थाना रामगढ़ पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

- प्लास्टिक पाइपों के पीछे छिपा था शराब का गुप्त चैंबर
- रॉयल स्टैग, इम्पीरियल ब्लू समेत 4,130 लीटर शराब जब्त
- 10 लाख का कैंटर भी सीज, तस्करी नेटवर्क की जांच तेज

पुलिस के अनुसार, 28 नम्बर को मुखबिर से सूचना मिली कि कठफोरी के पास एक संदिग्ध कैन्टर खड़ा है, जिसमें अवैध शराब रखी हुई है। सूचना मिलते ही रामगढ़ पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां कैन्टर संख्या वढ 12 उळ 4755 सड़क किनारे खड़ा मिला, लेकिन उसका चालक मौके से गायब था। पुलिस ने वाहन की निगरानी शुरू कर आसपास तलाश की। इसी दौरान आसिफ और समीर नाम के दो व्यक्ति कैन्टर के पास पहुंचे। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उन्हें मोबाइल नंबर से फोन कर कैन्टर खराब होने और उसे ठीक कराने के लिए बुलाया गया था।

इसके बाद पुलिस ने कैन्टर की गहन तलाशी ली तो उसमें एक विशेष गुप्त चैम्बर बना हुआ मिला। इस चैम्बर को प्लास्टिक के पाइपों से इस तरह ढका गया था कि बाहर से देखने पर उसका पता न चल सके। पुलिस ने पाइप हटाकर चैम्बर खोला तो उसमें भारी मात्रा में छिपाकर रखी गई अंग्रेजी शराब बरामद हुई।

बरामद शराब में रॉयल स्टैग, रॉयल ग्रीन और इम्पीरियल ब्लू ब्रांड की कुल 467 पेटियां शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, यह शराब पंजाब राज्य में बिक्री के लिए निर्मित है। इसे अन्य राज्यों में अवैध रूप से खपाने के उद्देश्य से ले जाए जाने की आशंका है। पुलिस ने कैन्टर मालिक और संबंधित मोबाइल नंबर के विरुद्ध धारा 60/62/72 आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में शराब तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

इस बड़ी कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार दुबे के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रोहित तोमर, मधुकांत मावी, तरुण अहलावत, आकाश किरन, राजेश सिंह सहित पुलिसकर्मियों ने अंजाम दिया। टीम में आरक्षी तरुण कुमार, प्रवेन्द्र कुमार, दीपक कुमार, शुभम तेवतिया, ध्रुव चौहान, नमन कुमार और नरेन्द्र कुमार शामिल रहे।

एसएसपी आदित्य लाग्हे के निर्देश में टूंडला थाने में समाधान दिवस



फिरोजाबाद। टूंडला थाने में समस्या सुनते हुए थाना प्रभारी अरविंद कुमार निर्वाल नगर पालिका अधिकारी एवं लेखपाल भी मौजूद रहे। थाने पर पांच शिकायत आई 2 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया तीन शिकायतों संबंधित लेखपालों को निर्देश दिए।



फ्रेशर इंजीनियर्स के लिए जरूरी सेमेस्टर इंटर्नशिप

देश में हर साल विभिन्न विषयों से लाखों छात्र इंजीनियर के रूप में कोर्स पूरा करते हैं। ऐसे में इंटर्नशिप उनके अनुभव को बढ़ाने में मदद करती है

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जब जुलाई 2020 में एक नई शिक्षा नीति लागू की, तो देश भर में व्यापक बदलावों और नीति के सकारात्मक पहलुओं के बारे में चर्चा शुरू हो गई। इस नई शिक्षा नीति को लाने के लिए ज्यादातर लोग सरकार के प्रयासों की सराहना कर रहे, वहीं ऐसे लोग भी हैं, जिनका कहना है कि यह परिवर्तन अपने निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम नहीं होगा। ऐसा ही एक बदलाव है जो उच्च शिक्षा प्रणाली में देखा गया, वह है सेमेस्टर इंटर्नशिप की शुरुआत।

सबसे बड़ी समस्या यह है एडटेक स्टार्टअप इंटरव्यूबिट के प्लेटफॉर्म स्केलर के आंकड़ों के मुताबिक, इन फ्रेशर्स में से केवल 3 फीसदी ही उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी नौकरियां पाने में सक्षम होते हैं। जिसके कारण ज्यादातर छात्र नॉन-टेक्नोलॉजी वाले जॉब्स की तरफ रुख करने को मजबूर होते हैं। वहीं दूसरी ओर, जॉब्स देने वाली कई कंपनियों का कहना है कि वे जिन इंजीनियरों की भर्ती करते हैं, वे उस कार्य को करने के लिए पर्याप्त सक्षम नहीं होते। छात्र इंडस्ट्रियल वातावरण में काम करने और वास्तविक जीवन की स्थितियों में अपने नॉलेज को लागू करने में असमर्थ होते हैं।

एआईसीटीई ने इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए इस चलन को अब बदलना शुरू किया है।

क्या हो रहा है बदलाव

इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए एआईसीटीई ने अब सेमेस्टर इंटर्नशिप पॉलिसी शुरू की है। इस पॉलिसी के तहत अब हर इंजीनियरिंग छात्र कॉलेज के अपने अंतिम वर्ष में सिर्फ एक इंटर्नशिप की तुलना में चार इंटर्नशिप करनी होगी। यह नई नीति इस तरह से तैयार की गई है जिससे छात्रों को उनके इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के हर महत्वपूर्ण मोड़ पर लाभ मिल सके। इस नीति के अनुसार, छात्रों को अपनी पहली इंटर्नशिप अपने दूसरे सेमेस्टर के 3-4 सप्ताह के अंदर शुरू करना होगा। यह प्रशिक्षण सॉफ्ट स्किल्स, उद्यमशीलता, अनुसंधान प्रशिक्षण या प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं, सम्मेलनों के रूप में होगा, जो छात्रों को उनके संबंधित क्षेत्र की मूल बातों के बारे में जानकारी देगा। दूसरा और तीसरा इंटर्नशिप चौथे और छठे सेमेस्टर के 4-6 सप्ताह में होगा। इसमें छात्र उद्योगों, सरकारी संगठनों या एमएसएमई में इंटर्नशिप का चुनाव अपनी पसंद के अनुसार कर सकते हैं। 3-4 सप्ताह की अंतिम इंटर्नशिप अवधि में छात्र अपने संस्थान द्वारा निर्देशित परियोजना कार्य और सेमिनार में भाग लेंगे।

इंटर्नशिप का महत्व व फायदे

यह पॉलिसी छात्रों को उनकी शिक्षा के दौरान कार्य अनुभव को बढ़ाने और करियर को आकार देने में मदद करेगी। वे अपने से संबंधित फील्ड को एक नए दृष्टिकोण से देखने और समझने में भी सक्षम बनाएगी। साथ ही इससे छात्रों के पास जॉब्स पाने के नए अवसर भी आएंगे। यह नीति न केवल छात्रों के लिए फायदेमंद होगी, बल्कि शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ उद्योगों के लिए भी फायदेमंद होगी। यह सबसे पहले छात्रों को कक्षा में सीखे गए थ्योरिकल पहलुओं का प्रैक्टिकल अनुभव करने में सहायता करेगा। इससे छात्र लोगों के साथ कम्युनिकेशन, टीम वर्क, मैनेजमेंट और नेटवर्किंग जैसे कई तरह के स्किल सीखेंगे जो उन्हें जीवन के सभी क्षेत्रों में मदद करेगा। इंटर्नशिप के बाद छात्रों के पास एक मजबूत रिज्यूमे भी होगा, जिससे आगे उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिलने की संभावना अधिक होगी।

वे यह तय करने में सक्षम होंगे कि उनके द्वारा चुना गया उद्योग और प्रोफेशन उनके लिए सबसे अच्छा है या नहीं। इंटर्नशिप के दौरान अगर उन्हें लगता है कि यह उनके लिए सबसे अच्छा है, तो वे उस कंपनी में जॉब हासिल करने का प्रयास भी कर सकेंगे। सबसे बड़ी बात कि इस नीति से शिक्षण संस्थानों को बहुत लाभ होगा। वे अपने छात्रों और इंडस्ट्री के बीच संबंध बनाने में सक्षम होंगे। साथ ही, ये संस्थान अपने सिलेबस में बदलाव करने के लिए इंडस्ट्री से फीडबैक भी ले सकेंगे। जिससे शिक्षा के स्तर में सुधार होगा। इस पॉलिसी के तहत इंटर्न को ऑनबोर्ड करने और इन प्रोग्राम को स्थापित करने से उद्योग को बहुत अधिक फायदा होगा।

इंडस्ट्री को मिलेगा फायदा

यह पॉलिसी इंडस्ट्री को छात्रों के सहयोग से अस्थायी परियोजनाओं को प्राप्त करने में मदद करेगी। छात्र पूरी तरह से एक नया दृष्टिकोण लाएंगे जो इंडस्ट्री को बाधाओं से उबरने में मदद करेगा। कार्यों को पूरा करने के लिए उनके पास एक लचीला और कम लागत का प्रभावी कार्यबल होगा। इंडस्ट्री ऐसे छात्रों को काम पर रखने में सक्षम होंगे, जो उस काम को जानते होंगे, जिन्हें करने की आवश्यकता है। आखिरकार, यह नीति उद्योग के लिए बेहतर प्रतिष्ठा अर्जित करेगी। माना जा रहा है कि सेमेस्टर इंटर्नशिप की नीति कई पहलुओं में आशाजनक है। इस परिवर्तन का प्रभाव बहुत जल्द दिखाई देगा और निश्चित रूप से सभी पक्षों को इससे फायदा मिलेगा।





वीएफएक्स के फील्ड में करियर बनने के लिए कैंडिडेट को किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए। इसके बाद वीएफएक्स में सर्टिफिकेट, डिग्री और डिप्लोमा जैसे कोर्स किये जा सकते हैं। सर्टिफिकेट कोर्स की ड्यूरेशन 3 से 6 माह और डिप्लोमा कोर्स 12 से 15 माह तथा बैचलर डिग्री 3 साल और मास्टर डिग्री की ड्यूरेशन 2 साल होती है। इन कोर्स की फीस 70 हजार से लेकर 1लाख प्रतिवर्ष के बीच होती है।

...तो वीएफएक्स में बनाएं करियर

वीएफएक्स यानी कि विजुअल इफेक्ट्स का फील्ड उभरता हुआ एक शानदार करियर ऑप्शन है। आपने फिल्मों में बादलों के बीच उड़ते हुए हीरो, हेरोइन, हवा में उड़ती हुई कारें, खतरनाक जानवरों से लड़ते हुए इंसान, भूकंप के कारण गिरती हुई बड़ी- बड़ी बिल्डिंग, आसमान में क्रेश होता हुआ प्लेन तो जरूर देखा होगा। यह सब वीएफएक्स का कमाल है। ये रोमांचक और खतरनाक सीन वीएफएक्स एनीमेशन की मदद से ही सम्भव हो पाते हैं। जिन लोगो को इस तरह के काम मे रुचि है तो ऐसे लोगों के लिए वीएफएक्स काफी अच्छा करियर ऑप्शन हो सकता है।

वीएफएक्स कोर्स क्वालिफिकेशन

वीएफएक्स के फील्ड में करियर बनने के लिए कैंडिडेट को किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना चाहिए। इसके बाद वीफएक्स में सर्टिफिकेट, डिग्री और डिप्लोमा जैसे कोर्स किये जा सकते हैं। सर्टिफिकेट कोर्स की ड्यूरेशन 3 से 6 माह और डिप्लोमा कोर्स 12 से 15 माह तथा बैचलर डिग्री 3 साल और मास्टर डिग्री की ड्यूरेशन 2 साल होती है। इन कोर्स की फीस 70 हजार से लेकर 1 लाख प्रतिवर्ष के बीच होती है।

वीएफएक्स में कोर्स

वीएफएक्स में आप डिप्लोमा से लेकर डिग्री तक कई तरह के कोर्स कर सकते हैं। यहां पर डिप्लोमा इन वीफएक्स, डिप्लोमा इन 3डी एनिमेशन एंड वीफएक्स, बैचलर इन विजुअल आर्ट्स, मास्टर इन विजुअल आर्ट्स, बीएससी एनिमेशन एंड वीफएक्स, एमएससी एनिमेशन एंड वीफएक्स, बीएससी एनिमेशन, गेमिंग वीफएक्स, एडवांस प्रोग्राम इन वीफएक्स, वीफएक्स प्लस, वीफएक्स इन फिल्म मेकिंग आदि कोर्स कराए जाते हैं। इन कोर्स के दौरान आपको एनिमेशन, डिजाइनिंग, लाइटिंग, मॉडलिंग, लाइफ ड्राइंग, विजुअल। इफेक्ट्स, लेयरिंग, रेंडरिंग, आदि इससे जुड़े सब्जेक्ट के बारे में जानकारी दी जाती है।

वीएफएक्स करियर के जरूरी स्किल

अगर आप वीएफएक्स के फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर कई तरह के स्किल होना जरूरी है। जिसमें प्रमुख रूप से क्रेटिविटी, विजुआलिजेशन, इमेजिनेशन, सॉफ्टवेयर स्किल, प्रेजेंटेशन, पेसेन्स, कम्युनिकेशन स्किन और वीफएक्स में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर की जानकारी जरूरी है।

वीफएक्स इंडस्ट्री में जॉब प्रोफाइल

इन फील्ड में जॉब करने के लिए आपको ढेर सारी प्रोफाइल मिलेगी, जहां पर आप अपने अनुभव और रूझान के साथ काम कर सकते हैं। यहां की प्रमुख जॉब प्रोफाइल एनिमेटर, कंपोजीटर, लाइटिंग आर्टिस्ट, मॉडलिंग आर्टिस्ट, प्रोडक्शन असिस्टेंट, मैचमोव आर्टिस्ट, मैट पेंटर, टेक्सचर आर्टिस्ट, वीफएक्स सुपरवाइजर, वीफएक्स डायरेक्टर, वीफएक्स टीम लीड, वेपन डिजाइनर, एनवायरनमेंट डिजाइनर, एसेसरीज डिजाइनर, रिगिंग आर्टिस्ट, रोटो आर्टिस्ट आदि है।

करियर संभावना

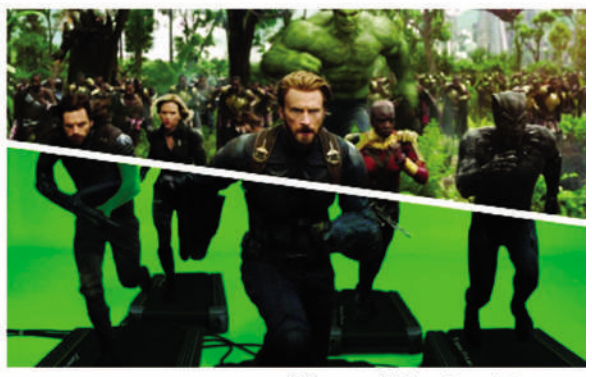

आज से कुछ साल पहले तक सिर्फ हॉलीवुड फिल्मों में ही विजुअल इफेक्ट्स का इस्तेमाल होता था। लेकिन आज के समय मे इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में इसका जमकर इस्तेमाल हो रहा है। यहां पर विजुअल इफेक्ट्स एक्सपर्ट के लिए काफी अच्छे मौके हो सकते हैं। इसके साथ ही गेमिंग इंडस्ट्री में भी विजुअल इफेक्ट प्रोफेशनल के लिए बेहतरीन जॉब के अवसर रहते हैं। वीफएक्स कोर्स करने के बाद आप डिजिटल फिल्म मेकिंग यानी कि एनिमेशन फिल्म स्टूडियोज, एड फिल्म प्रोडक्शन हाउस, टीवी सीरियल प्रोडक्शन हाउस, गेम डिजाइनिंग इंडस्ट्री, बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री, टीवी चैनल आदि में जॉब कर सकते हैं। इसके अलावा आप फ्रीलांसर के तौर पर भी अच्छी खासी इस फील्ड में कमाई कर सकते हैं। इस तरह से इस फील्ड में करियर के भरपूर अवसर हैं।

सैलरी

इस फील्ड में एंट्री लेवल पर आपको 20 से 30 हजार के बीच सैलरी मिल जाएगी। एक्सपीरियंस के साथ- साथ आपकी सैलरी में भी इजाफा होता है। अच्छा अनुभव होने के बाद आप आसानी से 70 हजार से 1 लाख के बीच सैलरी पा सकते हैं। अगर आप हॉलीवुड या बॉलीवुड फिल्मों में काम कर रहे हैं तो आप करोड़ो में खेलेंगे।

वीएफएक्स कोर्स के लिए संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, बनारस
- आईटीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मीडिया मुंबई
- वेलोरे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी वेलोर
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली
- जी इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स
- एफ एक्स स्कूल, मुम्बई
- टाइम्स एंड ट्रेंड एकेडमी, पुणे
- चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी





बी.टेक या बी.ई कौन-सी फील्ड है बेहतर

इंजीनियरिंग करने वाले छात्रों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न होता है कि वे बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी करें या फिर बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग और दोनों डिग्री के बीच क्या अंतर होता है। इस प्रश्न के उत्तर के लिए छात्रों को पहले यह समझना होगा कि बीई और बीटेक का आज समय में एक जैसा ही मूल्य है। हालांकि इसके बाद भी इनमें काफी अंतर है।

अध्ययन के संदर्भ में बीटेक और बीई के बीच मुख्य अंतर यह है कि बीटेक का कोर्स व्यावहारिक अनुप्रयोग पर अधिक जोर देता है, जबकि बीई कोर्स सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उपकरण और गैजेट विकसित करने के लिए लागू किया जाता है। दोनों के बीच अंतर और समानता -

बीटेक और बीई के बीच समानता

- यह दोनों कोर्स मान्यता प्राप्त हैं और छात्रों को समान अवधारणाओं का ज्ञान प्रदान करते हैं।
- बीई और बीटेक दोनों के पास विदेश में करियर ग्रोथ और नौकरी के अवसर समान हैं और अपने-अपने तरीके से फायदेमंद हैं।
- बीई और बीटेक दोनों कोर्स में दाखिला के लिए इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (राष्ट्रीय या राज्य स्तर) उत्तीर्ण करनी होती है।

बी.टेक और बीई के बीच अंतर

दोनों के बीच सबसे बड़ा अंतर यह है कि बीई जहां अधिक नॉलेज व थ्योरी पर आधारित है, वहीं बीटेक स्किल डेवलप करने पर जोर देता है। इसके कारण, बीटेक का सिलेबस अधिक विस्तृत होता है, क्योंकि औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुसार सिकल में परिवर्तन होता रहता है। साथ ही बीटेक छात्रों के लिए इंटर्नशिप और औद्योगिक सर्वे अनिवार्य है। वहीं बीई छात्रों के लिए यह अनिवार्य नहीं है। इनके सिलेबस में एक विषय के रूप में गणित को अधिक महत्व दिया गया है। बीटेक छात्रों की तुलना में बीई छात्रों को गणित अधिक विस्तृत तरीके से पढ़ाया जाता है।

बी.टेक व बी.ई. का सिलेबस

बीटेक का सिलेबस स्किल डेवलपमेंट पर आधारित है। बीटेक कोर्स पहले वर्ष से ही शाखाओं के मुख्य विषयों पर केंद्रित है। बीई का सिलेबस डेटा और सिद्धांत पर अधिक आधारित है। एक बीई छात्र को अन्य शाखाओं के विषयों का भी अध्ययन करना पड़ता है। इससे लोगों को लगता है कि बीई ज्यादा बेहतर है, क्योंकि छात्र को अन्य शाखाओं का भी ज्ञान होना चाहिए।

कौन-सा कोर्स बेहतर

दोनों इंजीनियरिंग डिग्री का अपना-अपना महत्व है। यदि कोई छात्र हार्डवेयर के निर्माण से संबंधित क्षेत्र में शामिल होना चाहता है, तो उसके लिए बीई क्षेत्र अधिक उपयुक्त है। वहीं अगर छात्र ऐसे क्षेत्र में शामिल होना चाहते हैं, जहां हार्डवेयर को संशोधित करके अधिक कुशल या आकर्षक बनाया जाता है, तो इनके लिए बीटेक पाठ्यक्रम अधिक उपयुक्त है। छात्र अपनी रुचि, स्किल और भविष्य की अपनी योजनाओं के आधार पर इनमें से किसी एक क्षेत्र को चुन सकते हैं। आज के समय में कुछ ऐसे विश्वविद्यालय हैं जो बीई में केवल डिग्री कोर्स प्रदान करते हैं, तो वहीं कुछ केवल बीटेक में डिग्री कोर्स प्रदान करते हैं। इसलिए, छात्र कॉलेजों के आधार पर एक विशेष डिग्री का विकल्प चुन सकता है। वर्तमान में बीई या बीटेक दोनों को समान माना जाता है।

जॉब के अवसर

बीई और बीटेक, दोनों डिग्री में नौकरी की संभावनाएं एक समान हैं। दोनों कोर्स करने के बाद छात्र या तो नौकरी का विकल्प चुन सकता है या फिर आगे उच्च अध्ययन के लिए जा सकता है। जब कोई उम्मीदवार उच्च शिक्षा के लिए आवेदन करता है, तो दोनों पाठ्यक्रम समान महत्व रखते हैं। अन्य देशों में भी दोनों डिग्रियों को एक दूसरे के समकक्ष माना जाता है। बीई व बीटेक पूरा करने के बाद छात्र एमई, एमबीए और एमएससी जैसे कोर्स करने के अलावा एमटेक/एमएस जैसे डिग्री के लिए भी अप्लाई कर सकता है। वहीं छात्र चाहे तो एमबीए भी कर सकता है। यदि भारत के साथ-साथ विदेशों में एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश पाने के लिए गेट, जीआरई और आईएलटीएस जैसी प्रवेश परीक्षाओं में अच्छे स्कोर के लिए मेहनत करनी होगी। वहीं जॉब की बात करें तो इंजीनियरिंग के बाद सार्वजनिक, निजी या सरकारी क्षेत्र में नौकरी पाने की अच्छी संभावना है। आपको बस बीई/बीटेक पाठ्यक्रमों में कम से कम 60 प्रतिशत अंक चाहिए। जो लोग सरकारी नौकरी में रुचि रखते हैं, उन्हें भारतीय इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा देनी होगी, जो विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी प्रदान करती है।

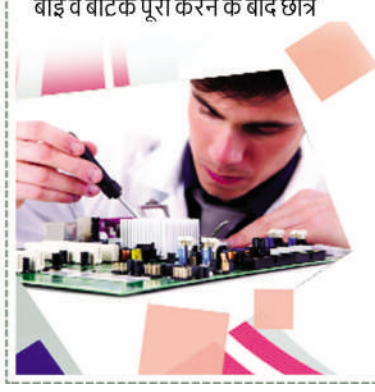

वनडे विश्वकप 2027 खेलेंगे शमी?, बताया आगे का रोडमैप

❍ एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अगले साल होने वाले आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 में खेलने को लेकर अपनी स्थिति साफ कर दी है। लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे शमी ने कहा है कि अब उनका पूरा ध्यान अपने खेल और घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन पर है। वह टीम में वापसी को लेकर ज्यादा सोचने के बजाय अपनी लय बरकरार रखने पर ध्यान देना चाहते हैं। शमी का कहना है कि चयनकर्ताओं को उनके भविष्य को लेकर जो फैसला लेना होगा, वह उन्हें स्वीकार होगा। उनकी कोशिश है कि वह लगातार क्रिकेट खेलते रहें और अपने प्रदर्शन से खुद को साबित करें।



2027 विश्व कप में खेलने पर क्या बोले शमी?

मोहम्मद शमी ने साफ किया कि उन्होंने आगामी आईसीसी टूर्नामेंट में जगह बनाने को लेकर ज्यादा सोचना बंद कर दिया है। उनके मुताबिक, फिलहाल उनका पूरा ध्यान अपनी गेंदबाजी और फिटनेस पर है। शमी ने कहा, 'मैंने अब इन सभी चीजों को गिनना बंद कर दिया है। फिलहाल मेरा ध्यान अपने खेल पर है। चयनकर्ता जो भी फैसला करेंगे, वह बेहतर होगा। मेरी तरफ से कोशिश यही है कि मैं लगातार खेलता रहूं, अपनी लय बनाए रखूं और कम से कम राज्य की टीम और आईपीएल के लिए खेलता रहूं।'

2023 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे शमी

मोहम्मद शमी का वनडे वर्ल्ड कप में शानदार रिकॉर्ड रहा है। 2023 में भारत की मेजबानी में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। शमी ने टूर्नामेंट में सात मैचों में 24 विकेट अपने नाम किए थे। हालांकि, इसके बाद से उन्हें भारतीय टीम में नियमित मौके नहीं मिले हैं। उन्होंने आखिरी बार 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। इस टूर्नामेंट में शमी ने नौ विकेट हासिल किए थे और भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे शमी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए शमी अब घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं। वह अगले महीने होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने की तैयारी कर रहे हैं। इसके जरिए वह अपनी गेंदबाजी की लय बनाए रखने के साथ चयनकर्ताओं का ध्यान भी खींचना चाहेंगे। शमी ने कहा कि जब तक किसी खिलाड़ी को क्रिकेट खेलने में आनंद आता है, तब तक उसे खेलते रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू क्रिकेट में खेलने के दौरान वह युवा खिलाड़ियों के साथ अपना अनुभव साझा करना चाहते हैं, क्योंकि क्रिकेट में अनुभव काफी मायने रखता है।

सफेद गेंद के क्रिकेट से संन्यास लेने का इरादा नहीं

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद शमी ने सफेद गेंद के क्रिकेट को लेकर भी अपनी योजना स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि वनडे और टी20 क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। जरूरत पड़ने पर फिटनेस बनाए रखने के लिए रेड बॉल क्रिकेट में भी हिस्सा ले सकते हैं। शमी के मुताबिक, पिछले 15-20 साल से उनका यही रूटीन रहा है और इसमें कुछ नया नहीं है। वह क्रिकेट का आनंद ले रहे हैं और आगे भी खेलते रहना चाहते हैं।

क्राइस्टचर्च में संकट में टीम इंडिया: खराब फील्डिंग के बाद बल्लेबाजी भी हुई पस्त



❍ एजेंसी, क्राइस्टचर्च।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो चुका है। भारत ने अपनी पहली पारी में छह विकेट गंवाकर 116 रन बना लिए हैं। न्यूजीलैंड की पहली पारी 356 रन पर समाप्त हुई थी। इस लिहाज से भारत 240 रन पीछे है। फिलहाल ध्रुव जुरेल सात रन बनाकर नाबाद हैं। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों ने भारत के शीर्ष क्रम और मध्य क्रम को झकझोर कर रख दिया। टीम इंडिया नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। वॉशिंगटन सुंदर (10) के रूप में भारत को छठा झटका लगा और इसी के साथ अंपायर ने दिन के खेल को खत्म करने की घोषणा की।

टीम इंडिया के लिए खराब रहा दूसरा दिन

भारत के लिए दूसरा दिन अच्छा नहीं रहा। पहले भारतीय फील्डर्स ने आकाश दीप की गेंद पर कुछ आसान कैच छोड़े। हालांकि, आकाश दीप ने पांच विकेट जरूर झटके। इसके अलावा कुछ रन आउट के मौके भी गंवाए गए और गेंद के किनारे लेकर कुछ शॉट फील्डरों के सामने गिर गए। इन गलतियों के कारण भारत ने कम से कम 50 अतिरिक्त रन दिए। इसके बाद रही सही कसर भारतीय बल्लेबाजों ने पूरी कर दी। अब भारत के सामने मैच बचाने की चुनौती है। न्यूजीलैंड के सभी तेज गेंदबाजों ने विकेट लिए हैं और उनकी नजर पहली पारी में बड़ी बढ़त हासिल करने पर होगी। अब देखना होगा कि कल मुकाबले में क्या होता है।

शनिवार को क्या क्या हुआ?

शनिवार यानी दूसरे दिन न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 246 रन से आगे खेलना शुरू किया। आज के दूसरे ही ओवर में अंशुल कंबोज ने ग्लेन फिलिप्स को आउट कर झटका दिया। फिलिप्स 67 गेंद में पांच चौके की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने ब्लंडेल के साथ छठे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी निभाई। इसके बाद ब्लंडेल ने नाथन स्मिथ के साथ सातवें विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को आकाश दीप ने तोड़ा। आकाश ने स्मिथ का कैच अपनी ही गेंद पर लपका। वह 45 गेंद में चार चौके की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद काइल जेमीसन ने ब्लंडेल के साथ 33 रन की साझेदारी निभाई। आकाश ने फिर जेमीसन को यशस्वी के हाथों कैच कराया। जेमीसन ने 19 रन बनाए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल ने हेनरी के दो-दो कैच छोड़ दिए और दूसरे दिन लंच तक न्यूजीलैंड का स्कोर आठ विकेट पर 330 रन रहा।

110 रन बनाने में बाकी के पांच विकेट गंवाए

दूसरे सत्र में आकाश दीप की गेंद पर गुरनूर बराड़ ने हेनरी का आसान कैच छोड़ा। इसके बाद 346 के स्कोर पर न्यूजीलैंड को नौवां झटका लगा। भले ही आकाश दीप की गेंद पर भारतीय फील्डर्स ने कैच छोड़े, लेकिन उन्होंने गुरनूर की गेंद पर टॉम ब्लंडेल का कैच लपक लिया। इसके साथ ही ब्लंडेल की 211 गेंद में 89 रन की जुझारू पारी का अंत हुआ। वह शतक से 11 रन दूर रह गए। उनकी पारी में 10 चौके शामिल रहे। इसके बाद आकाश दीप ने मैट हेनरी को आउट कर पारी को समेट दिया। हेनरी 25 गेंद में 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आज न्यूजीलैंड ने 110 रन बनाने में अपने बाकी के पांच विकेट गंवा दिए। भारत की ओर से आकाश दीप के अलावा अंशुल कंबोज और गुरनूर बराड़ ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर को एक विकेट मिला।

भारत की पहली पारी

भारत को पारी के पहले ही ओवर में शून्य पर पहला झटका लगा। मैट हेनरी ने यशस्वी जायसवाल को क्लीन बोल्ड किया। यशस्वी खाता नहीं खोल सके। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल ने केएल राहुल के साथ मिलकर पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 33 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को काइल जेमीसन ने तोड़ा। उन्होंने पडिक्कल को विकेटकीपर ब्लंडेल के हाथों कैच कराया। पडिक्कल 20 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 21 रन बना सके। जेमीसन ने इसके बाद कप्तान शुभमन गिल को टॉम लाथम के हाथों कैच कराया। गिल 29 गेंद में तीन चौके की मदद से 17 रन बना सके। गिल और राहुल के बीच 26 रन की साझेदारी हुई। फिर ऋषभ पंत ने मैदान पर आक्रामक शॉट्स लगाए, लेकिन बड़े शॉट के चक्कर में वह एक बार फिर विकेट गंवा बैठे। पंत ने 39 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाए। पंत और राहुल के बीच 37 रन की साझेदारी हुई। उन्हें जैकब डफी ने जेमीसन के हाथों कैच कराया। इसके बाद डफी ने केएल राहुल कॉनवे के हाथों कैच कराया। राहुल 80 गेंद में तीन चौके की मदद से 25 रन बना सके। इसके बाद से सुंदर और जुरेल ने संभल कर बल्लेबाजी की। दोनों ने भले ही 12 रन जोड़े लेकिन इसके लिए 91 गेंदें खेलीं। हालांकि, नाथन स्मिथ ने सुंदर को लाथम के हाथों कैच कराया और पवेलियन भेजा। सुंदर 10 रन बना सके। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने के लिहाज से भारत के लिए यह टेस्ट जीतना बहुत जरूरी है। हार या ड्रॉ रहने पर भारत फाइनल की रेस से लगभग बाहर हो जाएगा। साथ ही गिल एंड कंपनी को यह भी ध्यान रखना है कि भारत को चौथी पारी में बल्लेबाजी करनी है। इससे पहले न्यूजीलैंड की पहली पारी दूसरे दिन 356 के स्कोर पर सिमट गई।

किंग: शाहरुख बोले- यह एक परिवारिक फिल्म, बेटी सुहाना पर कही यह बड़ी बात



शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' जल्द रिलीज होने वाली है। हाल ही में हुए एक इवेंट के दौरान एक्टर ने फिल्म के बारे में काफी कुछ कहा। उन्होंने यह भी बताया कि किंग एक परिवारिक मनोरंजन वाली फिल्म है। इतना ही नहीं उन्होंने अपनी बेटी सुहाना के साथ अभिनय करने के पीछे का कारण भी बताया।

'किंग' पर शाहरुख ने क्या कहा?

शाहरुख ने कहा, ''किंग एक ऐसी फिल्म है जिसे पूरा परिवार सिनेमाघर में देख सकता है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें भरपूर ड्रामा है। जैसा कि आपने देखा है, इसमें ढेर सारा एक्शन भी है। आपने गाने भी देखे हैं। इस फिल्म में कई सितारे हैं। अगर मैं गिनना शुरू कर दूं तो हमें गिनती कम पड़ जाएगी। इतने सारे सितारे हैं कि मैं उनके नाम नहीं बता पा रहा।''

बेटी सुहाना पर क्या बोले किंग खान?

आगे अपनी बातचीत में शाहरुख ने कहा, ''मैं अब 61 साल का हो गया हूं। मुझे एहसास हुआ कि मुझे अपनी उम्र के हिसाब से ही किरदार निभाना चाहिए। मैं सुहाना के पिता का किरदार निभा रहा हूं ताकि फिल्में देखने के बाद लड़कियां ये महसूस कर सकें कि मेरे पापा ऐसे होने चाहिए।''
बता दें कि इस फिल्म में शाहरुख खान एक गैंगस्टर के रूप में नजर आ सकते हैं। वहीं सुहाना खान उनकी बेटी या शिष्य के रोल में दिखाई दे सकती हैं। हालांकि, फिल्म की कहानी को लेकर अभी किसी तरह की कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

अपने करियर पर भी की बात

इवेंट में शाहरुख ने यह भी कहा था कि वह खुद को खूबसूरत नहीं मानते। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा से ही हीरो बनना चाहता था पर जब मैंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा, तब मुझे लगता था कि मैं अच्छा नहीं दिखता। इसलिए जब मुझे हीरो बनने का मौका मिला, तो मैं उसे बहुत खास मानता हूं। मेरे जैसे साधारण दिखने वाले इंसान के लिए यह मौका काफी मायने रखता है।''

फिल्म 'किंग' के बारे में

'किंग' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। इस फिल्म में शाहरुख खान पहली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फिल्म से सुहाना खान बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इसमें दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अभय वर्मा, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत, राघव जुयाल और रानी मुखर्जी जैसे सितारे भी नजर आएंगे। फिल्म अगले महीने 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अवनीत ने फैंस को दिया सरप्राइज का हिंट, 'गनमास्टर G9' के प्रीमियर से इमरान संग शेयर की खास झलक!

अवनीत कौर के फैंस के लिए कुछ खास आने वाला है! एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म 'गनमास्टर जी9' के प्रीमियर से एक खास झलक सोशल मीडिया पर शेयर कर फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। अवनीत ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इमरान हाशमी के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट की और साथ ही एक बड़े सरप्राइज का इशारा भी कर दिया। इस खास पल को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ''गुजरी रात की कुछ यादें, 'गनमास्टर जी9' के प्रीमियर से आपके लिए एक सरप्राइज इंतजार कर रहा है! फिल्म अब सिनेमाघरों में!ह्व दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में अवनीत के गाने की झलकियां अभी से सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी हैं। गाने की ऑफिशियल रिलीज से पहले ही फैंस इसके विजुअल्स शेयर कर रहे हैं और उन पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। ऑनलाइन इस ट्रैक को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और खबरों की मानें तो यह गाना सोमवार, 30 नवंबर को रिलीज होने वाला है। ऐसे में फिल्म में अवनीत की मौजूदगी को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। बादशाह और श्रेया घोषाल के साथ अपने सुपरहिट गाने 'माहिया' से धूम मचाने के बाद अवनीत अब 'गनमास्टर जी9' में एक और धमाकेदार डांस नंबर के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। इमरान हाशमी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए अवनीत अपने चिर-परिचित अंदाज, जबरदस्त एनर्जी, शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और कातिलाना डांस मूव्स से इस एक्शन एंटरटेनर में रंग जमाती नजर आएंगी।

एक तरफ 'गनमास्टर जी9' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है, तो दूसरी तरफ गाने की रिलीज का काउंटडाउन भी शुरू हो गया है। ऐसे में फैंस बेसब्री से अवनीत की इस मोस्ट अवेटेड परफॉर्मेंस का इंतजार कर रहे हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि आखिर अवनीत ने अपने चाहने वालों के लिए कौन-सा सरप्राइज प्लान किया है!

'माहिया' की शानदार सफलता के बाद अवनीत लगातार नए-नए क्रिएटिव रास्ते तलाश रही हैं। म्यूजिक, डांस और फिल्मों के जरिए वह अपनी वर्सेटिलिटी का जलवा दिखा रही हैं और हर बार अपने अंदाज से दर्शकों को कुछ नया देने की कोशिश कर रही हैं।





कृति सेनन के बॉसी अंदाज पर फिदा हुए फैंस

ऋद्ध इंडिया के 'मेन ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स 2026' के इस इवेंट में कृति सेनन समेत कई कलाकार नजर आए। किसी ने अपने शानदार आउटफिट से लोगों का ध्यान खींचा तो किसी ने अपने खास अंदाज से महफिल लूट ली।
अवॉर्ड सेरेमनी में एक्ट्रेस कृति सेनन ने शानदार आउटफिट पहना था, जिसकी चर्चा पूरे सोशल मीडिया पर होने लगी। अब इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट की हैं, जिनमें कृति काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं। इन फोटोज को पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा- मिशन पूरा हुआ।
कृति सेनन ब्लैक एंड व्हाइट आउटफिट में नजर आईं। उन्होंने व्हाइट शर्ट के साथ ब्लैक पैंट और मैचिंग जैकेट पहनी थी। उनके आउटफिट में गोल्डन डिटेलिंग भी देखने को मिली। स्लाइड्स की शुरूआत में एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो नजर आती है, जिसमें कृति काफी कूल लग रही हैं। आगे नजर आ रही कुछ तस्वीरों में वे मैकअप करवाती भी दिख रही हैं। इसके साथ आखिरी की तस्वीरों में कृति पिज्जा खाती और कूल पोज देती दिख रही हैं।
कृति की इन खूबसूरत तस्वीरों पर फैंस भी जमकर प्यार बरसा रहे हैं।
किसी ने दिल वाले इमोज शेयर कर प्यार लुटाया तो किसी ने 'बॉसी वाइब्स' और 'लेडी बॉस' कमेंट किया। वहीं कई यूजर्स ने उन्हें बहुत सुंदर बताया।

5 साल तक क्यों डेब्यू नहीं कर पाईं शनाया कपूर?

एक्ट्रेस शनाया कपूर बताया कि फिल्मों में काम पाने के कई मौके मिलने के बावजूद उनकी कुछ फिल्में कभी रिलीज ही नहीं हो पाईं। इतना ही नहीं, कुछ फिल्मों की शूटिंग शुरू होने के बाद उन्हें बंद कर दिया गया।

शूटिंग शुरू होने के बाद बंद हो गई थी फिल्म

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान शनाया ने उन फिल्मों के बारे में बताया, जो उनके हाथ से निकल गईं। उन्होंने यह भी बताया कि जब उन्होंने पहली बार अपने इस अनुभव के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की थी, तो उन्हें काफी ट्रोलिंग्स का सामना करना पड़ा था।
शनाया ने बताया कि करियर की शुरूआत में जब वह अपनी फिल्मों का प्रमोशन कर रही थीं, तो पत्रकार उनसे अक्सर पूछते थे कि उन्हें अपना एक्टिंग डेब्यू करने में 5 साल क्यों लग गए।
इस पर अभिनेत्री ने बताया कि इस देरी की वजह कई ऐसी फिल्में थीं, जो या तो शुरू होने से पहले ही बंद हो गईं या फिर शूटिंग शुरू होने के बाद रोक दी गईं।
एक ऐसी ही फिल्म का जिक्र करते हुए शनाया ने बताया कि उन्होंने एक फिल्म साइन की थी और उसके लिए 16 दिनों तक शूटिंग भी की थी। हालांकि, इसके बाद अचानक उस फिल्म को बंद कर दिया गया।
वहीं, एक दूसरी फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले ही बंद हो गई, जबकि शनाया इसके लिए काफी तैयारी कर चुकी थीं। इस फिल्म की शूटिंग 13 अगस्त 2019 से शुरू होनी थी, लेकिन तय तारीख से कुछ हफ्ते पहले ही इसे रद्द कर दिया गया।

21 दिन तक की शूटिंग, फिर भी रिलीज नहीं हुई फिल्म

शनाया ने बताया कि उन्हें सिर्फ इन दो फिल्मों में ही मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने एक दूसरी फिल्म के लिए करीब 21 दिनों तक काम किया था, लेकिन वह फिल्म भी कभी रिलीज नहीं हो सकी।
शनाया के लिए यह इंतजार सिर्फ अपनी पहली फिल्म मिलने तक सीमित नहीं था। कई बार वह किसी प्रोजेक्ट के लिए काम शुरू कर चुकी थीं, लेकिन बाद में उन्हें पता चला कि उनकी मेहनत दर्शकों तक कभी पहुंच ही नहीं पाएगी।

शनाया कपूर का वर्कफ्रंट

बता दें कि शनाया हाल ही में 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर- आफ्टर द डार्क' वेब सीरीज में नजर आईं थीं।
इसका निर्देशन रीमा माया ने किया है।
शनाया, दिविक शर्मा और मान्या ग्रोवर जैसे कलाकारों से सजी यह सीरीज 13 नवंबर 2026 से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है।
इसे करण जौहर ने धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया है।

